हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार, 28 जुलाई 2025

11 लापरवाही और ऑफिस में न रहने का लगाया आरोप

12 मेघोतहाला के रिटायर्ड शिक्षक ने युवाओं को शारीरिक...

हलवाइयों का कारोबार भी रहा अच्छा

तीज उत्सवः इस बार मौसम ठीक रहने से डोर-पतंग का बाजार रहा गर्म

- युवाओं व बच्चों ने पतंगबाजी तो लड़कियों व महिलाओं ने उठाया झूलों का आनंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल/महेंद्रगढ़

हरियाली तीज महोत्सव जिलेभर में बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर युवाओं व बच्चों ने पतंगबाजी का आनंद लिया। वहीं, लड़कियों व महिलाओं ने झूलों का आनंद उठाया। तीज उत्सव में लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया और इस पर्व की खुशियों को साझा किया। क्षेत्र में हरियाली तीज का पर्व रविवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से शाम तक बच्चों, युवाओं ने जहां पतंगबाजी का खूब लुत्फ उठाया। लड़कियों व महिलाओं ने पारम्परिक वेषभूषा में झूलों का आनंद लिया। शहरी क्षेत्र की बजाय ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं ने झूलों का आनंद अधिक उठाया। जबकि पतंगबाजी में शहर के युवा आगे रहे। बाजार में चाइनीज डोर का बहिष्कार होने के बाद भी लुका-छिपी इनकी बिक्री चलती रही। तीज पर्व को लेकर गली-मोहल्लों तक विभिन्न प्रकार के व्यंजनों की महक रही। महिलाओं ने व्रत रख पति की लम्बी आयु और परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। तीज पर्व को लेकर शहर के बाजारों में भी अच्छी-खासी भीड़ नजर आई।

महेंद्रगढ़। तीज पर्व पर पतंग उड़ाते बच्चे। फोटो : हरिभूमि

स्वदेशी जयपुर का मांझा बरेली की डोर इस्तेमाल

रविवार सुबह से मौसम खुला रहा कभी उमश तो कभी हवा चलने से चलती रही। दोपहर तक आसमान में बादलों की आवाजाही से तेज धूप से भी पतंगबाजों को राहत मिली। इस बार चाइनीज डोर की बिक्री काफी कम रहीं वहीं स्वदेशी जयपुर-बरेली सहित अन्य स्थानों की डोर व पतंगों की खूब मांग रही। अनुमान के मुताबिक शहर व आसपास के बाजारों में इस बार एक दर्जन के करीब डोर-पतंगों की दुकानों पर एक पखवाड़े के दौरान 20 से 30 लाख रुपए का व्यापार हुआ। बाजार में 100 रुपए से लेकर 1000 रुपए का डोर का गीटा यानी करीब एक हजार गज डोर बिक्री किया गया और लोगों ने अपनी पसंद के अनुसार डोर खरीदी।

विभिन्न नामों से बिक रहे मांझे

पतंगबाज हंटर व काला बिच्छू नामक मांझे को ज्यादा पसंद करते नजर आए जिनकी 6 गीटें की चरखी 6 से 70 हजार रुपए तक बिक्री की गई। इसके अलावा 5 से 250 रुपए तक में कागज, पॉलोथीन, कैंडल पैराशूट पतंग बाजार में उपलब्ध रहे। वैसे तो सुबह से ही आसमान में पतंग उड़ती रही परंतु शाम के समय पूरा आसमान पतंगों से अटा नजर आया। बच्चे, युवा सभी अपनी-अपनी छतों पर गीत-संगीत के साथ-साथ अपने मनपसंद पतंग उड़ाकर पतंगबाजी का आनंद उठाते नजर आए।

घरों में फैली रही पकवानों की खुशबू

तीज पर्व को लेकर घरों में बने विभिन्न प्रकार के पकवान खीर, पूरी, हलवा, गूजिया, बादाम हलवा, चूरमा, आटा व मैदा से बनी सिवेंइया की महक रही, वहीं बाजारों से खरीदे मलाई वाले घेवर, मीठी सुहाली का लुत्फ भी लोगों ने उठाया। सुहागिन महिलाओं के लिए यह दिन काफी खास रहा। महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा व श्रृंगार कर अपने पति की लम्बी उम्र और सुख समृद्धि के लिए व्रत रखा। सौंदर्य और प्रेम के इस पर्व को श्रावणी तीज भी कहा जाता है।

खबर संक्षेप

रेलगाड़ी की चपेट से 45 वर्षीय महिला की मौत

मंडी अटेली। दिल्ली मुंबई फ्रंट कॉरिडोर पर अटेली गांव की 45 वर्षीय महिला की रेलगाड़ी की चपेट में आने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार नारनौल जीआरपी चौकी इंचार्ज कैलाश चंद शर्मा ने बताया 45 वर्षीय महिला सुमन जो शौच के लिए जाते समय फ्रंट कॉरिडोर लाइन पोल नंबर 1302/15/17 के पास रेल गाड़ी की चपेट में आने से घायल हुई। उसके उपरांत उसको नारनौल सिविल हॉस्पिटल में ले जाया गया, जहां पर डॉक्टरों द्वारा मृत घोषित कर दिया। जीआरपी पुलिस ने अपनी कार्रवाई कर महिला का शव उनके परिजनों को सौंप दिया।

ट्राले व बाइक की भिड़ंत में बाइक चालक की मौत

मंडी अटेली। दिल्ली जैसलमेर नेशनल हाईवे 11 पर सुजापुर के समीप शनिवार देर शाम एक ट्राले व बाइक की भिड़ंत हो गई, जिसमें बाइक सवार की मौत हो गई। अटेली पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा कर रविवार को परिजनों को सौंप दिया। जानकारी के अनुसार गांव गणियार निवासी 47 वर्षीय देवानंद बाइक से सवार उक्त मार्ग के सर्विस रोड से अपने गांव जा रहा था। अनेक ट्राले बेतरतीब सर्विस रोड पर खड़े हुए थे। बाइक ट्राले से जा टकराई तथा गंभीर घायल हो गया। आसपास के लोगों ने अस्पताल में भेजा, लेकिन गंभीर चोट के कारण चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मोहनपुर में जाहरवीर गोगाजी का मेला 9 को

कनीना। गांव मोहनपुर नांगल में आगामी नौ अगस्त को जाहरवीर गोगाजी के धार्मिक मेले का आयोजन किया जाएगा। सुरजीत सिंह पंच ने बताया कि मेले में आठ अगस्त को वॉलीबॉल प्रतियोगिता करवाई जाएगी। वहीं नौ अगस्त को महिला व पुरुष की कबड्डी, कुश्ती, लंबीकूद, ऊंची कूद, बच्चें व बुजुर्गों की दौड़ प्रतियोगिता करवाई जाएगी।

जिला प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए

शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई सीईटी की परीक्षा, 94 प्रतिशत ने दिया पेपर

नारनौल। अपने रोल नंबर एवं परीक्षा कक्ष चेक करते परीक्षार्थी, गेट पर परीक्षार्थी की जांच करती पुलिस व रोडवेज की बस से उतरते परीक्षार्थी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग की ओर से आयोजित दो दिवसीय सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी-2025) रविवार सायं को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गई। इस परीक्षा के आयोजन को लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हुए थे। वहीं दूसरी ओर परीक्षार्थियों में भी इस परीक्षा को लेकर उत्साह दिखाई दिया और वह भीड़ के रूप में बसों एवं निजी वाहनों से परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे। परीक्षा के दौरान प्रशासनिक अधिकारी दिनभर ग्राउंड पर घूमते रहे। दूसरे दिन की परीक्षा में करीब 40 हजार परीक्षार्थियों को परीक्षा देनी थी, लेकिन लगभग 37 हजार ने परीक्षा दी। इस प्रकार लगभग 94 प्रतिशत परीक्षार्थी हाजिर रहे।

गौर हो कि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा लंबे समय से ग्रुप सी के पदों पर नौकरी की राह देख रहे लाखों युवाओं के लिए सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी) का आयोजन किया जा रहा है। इस परीक्षा के लिए शनिवार की भांति ही रविवार को भी हजारों परीक्षार्थी नारनौल पहुंचे। इस दौरान बस अड्डे पर परीक्षार्थियों की भीड़ रही। सुविधा के लिए बसें तो मौजूद रही, लेकिन विद्यार्थियों को पता नहीं चल पाया कि किस सेंटर के लिए कौन सी बस जा रही है। बसों में परीक्षार्थियों को ओवरलोड करके सेंटरों तक ले जाया गया। दूसरे दिन सभी केंद्रों पर शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षा शुरू हुई। पहले दिन की भांति दूसरे दिन बायोमीट्रिक मशीन नहीं चलने की परेशान नहीं आई। इससे सेंटरों पर परीक्षा आयोजकों ने राहत महसूस की। परीक्षा के लिए परीक्षार्थियों का केंद्र पर पौना घंटा पहले पहुंचना अनिवार्य था, लेकिन इस दौरान परीक्षार्थियों समय से पहले ही केंद्रों पर पहुंचने लगे थे। जहां परीक्षार्थियों ने अपना सीटिंग प्लान देखा। केंद्रों पर कड़ी जांच के बाद परीक्षार्थियों को प्रवेश दिया गया। परीक्षा से पूर्व केंद्रों के अंदर व बाहर पुलिस का भारी बंदोबस्त रहा। परीक्षा केंद्र पर प्रवेश से पहले महिला व पुरुष परीक्षार्थियों के आभूषण सहित हाथ, पैर व गले में बंधे धागे इत्यादि सभी उतरवा दिए गए। इसके अलावा चौक चौराहों पर भी पुलिस तैनात रही। रविवार को भी प्रथम सत्र की परीक्षा प्रातः दस बजे और सायंकालीन सत्र की परीक्षा दोपहर बाद साढ़े तीन बजे शुरू हुई। इस दौरान किसी केंद्र पर नकल का समाचार नहीं मिला। इसी प्रकार सीईटी का चौथे सत्र का एग्जाम भी संपन्न हो गया है।

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के सदस्य कुलदीप सिंह ने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ में सीईटी की परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न हो गई है। इसके लिए यहां का जिला प्रशासन एवं ड्यूटी स्टॉफ बधाई का पात्र है। परीक्षा में दूसरे दिन कहीं भी बायोमीट्रिक मशीन नहीं चलने की परेशानी नहीं हुई है।

नारनौल। अस्पताल में एडमिट परीक्षार्थी मोनिका।

एक महिला परीक्षार्थी घायल

सीईटी की परीक्षा अपने पति के साथ बाइक से देने आ रही एक महिला परीक्षार्थी सड़क हादसे में घायल हो गई। उसे सिर में चोट लगी है। हुआ यूं कि भिवानी जिला के गांव लुहानी से करीब 30 वर्षीय मोनिका अपने पति संग बाइक से आ रही थी। जब वह माधोगढ़ के पास पहुंचे, तब ब्रेकर आ गया और पीछे बैठी मोनिका उछलकर सड़क पर जा गिरी। इस पर उसे आसपास प्राथमिक उपचार दिलाया गया। उसका परीक्षा केंद्र कोरियावास में बना संस्कार भारती पब्लिक स्कूल था, जहां उसे ले जाया गया, लेकिन परीक्षा के दौरान उसकी तबीयत खराब हो गई तथा उसे चक्कर एवं उल्टियां आने लगी। इस पर उसे एंबुलेंस से उसे नागरिक अस्पताल लाया गया। संडे का दिन एवं नारनौल अस्पताल में आवश्यक सुविधाएं नहीं होने के कारण उसे आपातकालीन वार्ड से प्राथमिक उपचार उपरांत रेफर कर दिया गया। फिलहाल उसे परिजन भिवानी लेकर गए हैं और उसकी हालत खतरे से बाहर है।

सीईटी के अंतिम दिन अटेली बस स्टैंड से 29 और कांटी खेड़ी 6 से बसें रवाना

मंडी अटेली। अटेली बस स्टैंड से रेवाड़ी परीक्षा देने जाने को तैयार परीक्षार्थी। फोटो : हरिभूमि

मंडी अटेली। हरियाणा में सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी) के लिए अंतिम दिन रविवार को बस स्टैंड अटेली में तड़के चार बजे से बसों का संचालन शुरू हो था। चार बजे से सात बजे तक बसें रेवाड़ी एवं दादरी के लिए रवाना किया गया था। अटेली बस स्टैंड पर भी सुबह चार बजे परीक्षार्थी पहुंचने लग गए थे। अंतिम दिन अटेली बस स्टैंड से 29 एवं कांटी खेड़ी से छह गई है। इस मौके पर अटेली बस स्टैंड ड्यूटी से अनिल भीलवाड़ा ने बताया कि रोडवेज महाप्रबंधक मनोज शर्मा ने परीक्षा के लिए रोडवेज कर्मचारियों की स्पेशल ड्यूटी लगाई है, ताकि परीक्षार्थियों की सरल एवं सुगम यात्रा हो सके। परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने के लिए अलग-अलग बसों में भेजा जा रहा है। हरियाणा रोडवेज ने परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। सरकार ने अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने के लिए मुफ्त बस सेवा उपलब्ध कराई थी। वहीं अटेली से रेवाड़ी एवं दादरी जा रहे परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा स्थल तक ले जाने के लिए निःशुल्क शटल सेवा की भी व्यवस्था अच्छी प्रकार से की गई।

सतनाली मंडी। सीईटी परीक्षा के लिए बस स्टैंड पर खड़ी बसें। फोटो : हरिभूमि

सीईटी परीक्षाः सतनाली से संचालित हुई 42 बसें

सतनाली मंडी। सीईटी परीक्षा के दूसरे दिन सतनाली बस स्टैंड से रेवाड़ी व चरखी दादरी के लिए दोनों शिफ्टों के लिए कुल 42 बसें संचालित की गई। अभ्यार्थियों ने राज्य सरकार की ओर से की गई व्यवस्थाओं पर खुशी जताते हुए भरपूर लाभ उठाया। दो दिवसीय परीक्षा के तहत प्रशासन, पुलिस व रोडवेज कर्मी परीक्षार्थियों के लिए व्यवस्था बनाने में लगे रहे। दूसरी ओर अभ्यर्थियों ने भी सरकार द्वारा की गई व्यवस्थाओं पर खुशी जताते हुए आभार जताया। सतनाली बस अड्डा इंचार्ज विकास कुमार ने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देशानुसार सतनाली बस स्टैंड से चरखी दादरी व रेवाड़ी जिलों के परीक्षार्थियों को लिए बसों की निःशुल्क व्यवस्था करवाई गई। अड्डा इंचार्ज अनूप कुमार ने बताया कि सीईटी की परीक्षा के लिए सतनाली बस स्टैण्ड पर उपलब्ध करवाई व्यवस्था से अभ्यर्थी उत्साहित दिखाई दिए।

महेंद्रगढ़। परीक्षा के केंद्र के बाहर लगी भीड़। फोटो : हरिभूमि

जांच के बाद ही परीक्षार्थियों को केंद्रों में मिला प्रवेश

महेंद्रगढ़। जिले में कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट की परीक्षा रविवार को शांतिपूर्वक संपन्न हुई। परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही। पुलिस बल ने प्रवेश द्वार पर हर परीक्षार्थी के एडमिट कार्ड की जांच कर उन्हें तलाशी के बाद प्रवेश दिया। मेटल डिटेक्टर और महिला परीक्षार्थियों की परदे के पीछे तलाशी जैसी व्यवस्थाएं भी की गईं। तीन स्तर की जांच के बाद ही परीक्षार्थियों को अंदर जाने की अनुमति दी गई। लगभग 5 से 10 प्रतिशत परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। पहली शिफ्ट सुबह 10 बजे से 11.45 बजे और दूसरी शिफ्ट 3.15 से पांच बजे तक चली, लेकिन परीक्षा समाप्त होने के बाद शहर में जाम की समस्या रहीं। पुलिस प्रशासन की ओर से शहर के राव तुलाराम चौक, सतनाली चौक सहित अनेक चौक पर नाके लगाए गए थे। पहली शिफ्ट में महेंद्रगढ़-दादरी स्टेट हाईवें पर करीब एक घंटे तक जाम की समस्या रहीं। परीक्षा समाप्त होने के बाद शहर के प्रमुख मार्गों जैसे राजकीय कॉलेज, महिला कॉलेज, सतनाली रोड, राव तुलाराम चौक, कुराहवटा रोड, चामधेड़ा रोड व डुलाना रोड पर एक घंटे तक जाम की स्थिति बनी रहीं। परीक्षार्थियों और तीज पर्व की भीड़ के कारण स्टेट हाईवे सहित कई मार्गों पर वाहन रेंगते नजर आए।

गलत सेंटर पर पहुंचे परीक्षार्थियों को पुलिस ने उनके सेंटर तक पहुंचाया

महेंद्रगढ़। गलत सेंटर पर पहुंचे अभ्यर्थियों को एसपी ने अपनी एस्कॉर्ट गाड़ी से परीक्षार्थियों को सही परीक्षा सेंटर तक पहुंचाया। बता दें कि एसपी के निर्देशानुसार एस्कॉर्ट गाड़ी पर तैनात टीम गश्त की कर रही थी और यातायात व्यवस्था भी देख रही थी। इस दौरान आईटीआई महेंद्रगढ़ के नजदीक एक परीक्षार्थी मिली, जो गलती से दूसरे सेंटर पर पहुंच गई थी और पेपर में प्रवेश के लिए सिर्फ 10 मिनट का समय बाकी था। टीम ने परीक्षार्थी को उसके स्वजन के साथ समय रहते सेंटर पर पहुंचाया। परीक्षार्थी ने पुलिस टीम का धन्यवाद किया। सीईटी परीक्षा को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष वातावरण में सफल करवाने को लेकर हरियाणा सरकार के दिशा निर्देशों के तहत महेंद्रगढ़ पुलिस, पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के नेतृत्व में पूरी तरह से अलर्ट रही।

महेंद्रगढ़। पुलिस के साथ खड़े अभ्यर्थी। फोटो : हरिभूमि

नहर में डूबने से दो युवकों की हुई मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

- रेवाड़ी जिले के चार युवक दो बाइक पर सवार होकर आए थे नहर के समीप, दो युवक चले गए थे खाने-पीने का सामान लेने
- जवाहर लाल कैनाल के पंप हाउस नंबर दो के समीप नहाने के लिए उतारा था एक युवक, साथी को डूबता देख दूसरा युवक भी कूदा बचाने के लिए

जवाहरलाल कैनाल के पंप हाउस नंबर दो पर नहर में डूबने से रेवाड़ी जिले के दो युवकों की मौत हो गई है। मृतकों की पहचान रेवाड़ी जिले के गांव ढाणी शोभा निवासी 23 वर्षीय प्रवीन कुमार तथा गांव मनेठी निवासी 19 वर्षीय आर्यन के रूप में हुई है। रेवाड़ी जिले के गांव मनेठी निवासी आशीष, हिमांशु व आर्यन तथा ढाणी शोभा प्रवीन कुमार रविवार को जवाहरलाल कैनाल पर गांव सुरजनवास के पास आए थे। इसी दौरान आशीष व हिमांशु खाने पीने का सामान लेने के लिए चले गए। इसके बाद मौके पर बचे हुए दो युवकों में से एक युवक नहर में नहाने के लिए उतर गया, लेकिन पानी का अधिक बहाव होने के चलते वह डूबने लगा। अपने साथी को डूबता हुआ देख दूसरा युवक भी पानी में उतर गया, लेकिन दोनों युवक पानी में बह गए। कुछ समय बाद खाने-पीने का सामान लेने गए युवक मौके पर पहुंचे तथा देखा कि उनके साथी वहां नहीं है। कुछ समय बाद उनको मौके पर अपने साथियों के कपड़े दिखाई दिए। उनको कोई अनहोनी होने की आशंका हुई। आशीष व हिमांशु ने डायल 112 पर घटना की सूचना दी। सूचना के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तथा युवकों की तलाश शुरू की। पुलिस की टीम ने ग्रामीणों की सहायता से गांव देवास के पंपहाउस के समीप से दोनों युवकों के शव नहर से बाहर निकाला।

पहले भी हो चुके हैं हादसे, विभाग नहीं ले रहा सबक

स्थानीय लोगों ने बताया कि इस स्थान पर पहले भी कई बार इस प्रकार की घटनाएं हो चुकी है, लेकिन सिंचाई विभाग या प्रशासन द्वारा कोई स्थायी समाधान या सुरक्षा उपाय नहीं किए गए। न तो चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं और न ही इस स्थान पर नहाने की मनाही को लेकर कोई सख्ती दिखाई जाती है।

तैयारी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी अंबाला से वर्चुअल माध्यम से करेंगे संबोधित

जिला स्तरीय कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री होंगी मुख्य अतिथि

महिला सशक्तिकरण व सांस्कृतिक विरासत का उत्सव तीज महोत्सव सभागार में आज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा सरकार की ओर से 28 जुलाई को मनाए जा रहे तीज महोत्सव के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय कार्यक्रम लघु सचिवालय के नजदीक स्थित सभागार में धूमधाम से मनाया जाएगा। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव मुख्य अतिथि होंगी। वहीं राज्य स्तरीय कार्यक्रम अंबाला में होगा। जहां से प्रदेश मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगे तथा वर्चुअल माध्यम से प्रदेशवासियों को संबोधित करेंगे।

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं नांगल चौधरी के एसडीएम उदय सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह महोत्सव महिला सशक्तिकरण और राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री के निर्देश अनुसार मनाया जा रहा है। इस अवसर पर विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा।

यह महोत्सव न केवल महिलाओं को सशक्त बनाने पर केंद्रित है, बल्कि यह हरियाणा की सांस्कृतिक परंपराओं और ग्रामीण उद्यमों को भी बढ़ावा देगा।

उन्होंने नागरिकों से इस भव्य आयोजन में शामिल होकर इसे सफल बनाने का आग्रह किया है। इसी संबंध में रविवार को उन्होंने सभागार भवन में चल रही तैयारियों का जायजा लिया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर डीआरडीए से ईश्वर सिंह के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

नारनौल। सभागार में तीज उत्सव की तैयारियों का जायजा लेते सीईओ जिला परिषद उदय सिंह।

ये होंगे कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण

इस अवसर पर जिला महेंद्रगढ़ में आठ महिला सांस्कृतिक केंद्रों का संचालन शुरू किया जाएगा। इनमें गांव गढ़ी रूथल, तोताहेडी, पांचनोता, छिलरो, भूषण खुर्द, हाजीपुर, कुतुबपुर, मेई आदि शामिल हैं। **सर्वश्रेष्ठ स्वयं सहायता समूहों को पुरस्कारः** इस अवसर पर उत्कृष्ट स्वयं सहायता समूहों को सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को कोथली वितरित की जाएंगी।

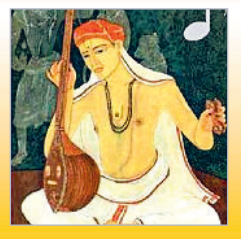

रागों के नाम पर गांव

हरियाणा में राग परंपरा, जिसे लोकगीतों के रूप में भी जाना जाता है, का एक समृद्ध इतिहास है। यहां तक कि कस्बों के नाम भी पारंपरिक रागों से लिए गए हैं। दादरी तहसील में कई बस्तियों के नाम प्रसिद्ध रागों से जुड़े हैं। इनमें नंदयम, सारंगपुर, बिलावाला, बृंदाबाना, टोडी, असावेरी, जयश्री, मलकोष्णा, हिंडोला, भैरवी और गोपी कल्याण आदि शामिल हैं। वहीं, जींद जिले में जय जय वंती, मालवी और अन्य संस्थाएं पाई जा सकती हैं।

प्रदेश की प्राचीन गायन परम्परा में शुमार हैं

डेरू, रागनी, बारहमासा और आल्हा गीत

हरियाणा के खेतों, चौपालों, मेलों और धार्मिक आयोजनों में आज भी जो स्वर गूंजते हैं, वे केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अस्मिता के संवाहक हैं। इन स्वरों में डेरु की गूंज है, रागनी का सवाल-जवाब है, बारहमासा की विरह-व्यथा है, और आल्हा की वीरता है।

हरियाणा की गायन परंपराएं केवल बीते समय की गाथाएं नहीं हैं, वे आज भी जीवित हैं, खेतों में, चौपालों में, और हरियाणवी दिलों में। डेरु, बारहमासा, आल्हा और रागनी, ये चार स्तंभ हमारी लोक संस्कृति के प्रहरी हैं। इन्हें संजोकर रखना केवल कलाकारों की नहीं, हर हरियाणवी की जिम्मेदारी है।

कला-संस्कृति

प्रियंका सौरभ

हरियाणा प्रदेश की माटी में केवल अनाज ही नहीं उगता बल्कि लोकगीतों की मिठास और वीरता की कहानियां भी उपजती हैं। यहां के खेतों, चौपालों, मेलों और धार्मिक आयोजनों में आज भी जो स्वर गूंजते हैं, वे केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अस्मिता के संवाहक हैं। इन स्वरों में डेरु की गूंज है, रागनी का सवाल-जवाब है, बारहमासा की विरह-व्यथा है, और आल्हा की वीरता है।

डेरु : हरियाणा की सबसे प्राचीन और मौलिक गायन विधा मानी जाती है डेरू। यह एक छोटा-सा वाद्य यंत्र है, जो डमरू के समान होता है, परंतु इसका उपयोग केवल ताल देने में नहीं, बल्कि पूरी गायन शैली के रूप में होता है।

डेरु गायन में कलाकार एकल प्रस्तुति देता है। यह गायन मुख्यतः वीर गाथाओं, संत-महात्माओं की कहानियों या धार्मिक प्रसंगों पर आधारित होता है। वाद्य यंत्र के रूप में केवल डेरु और कभी-कभी ढोलक का उपयोग होता है। यह गायन प्रेरणा, श्रद्धा और जनजागरण का माध्यम होता है। लोकप्रिय डेरु गायकों में 'बल्ली सिंह बल', 'कंवर पाल डेरुवाले' जैसे नाम प्रसिद्ध रहे हैं। आज भी कई गांवों में बुजुर्ग लोग डेरु के माध्यम से रामायण, महाभारत, और लोक देवताओं की कहानियां गाते हैं।

बारहमासा : बारहमासा प्रदेश के लोकसाहित्य की वह भावनात्मक धारा है, जिसमें स्त्री के मन की पीड़ा, ऋतुओं का प्रभाव और प्रेम का रस गहराई से मिलता है। 'बारहमासा' शब्द का अर्थ ही है , बारह मासों में गाया गया गीत। नायिका की विरह-व्यथा ऋतु परिवर्तन के साथ गहराती जाती है। इसमें श्रृंगार, करुण, और शांत रस की प्रधानता होती है। फागुन में प्रेम की प्यास, जेठ में तपिश, सावन में मिलन की आशा, ये भाव पूरे गीत में बहते हैं। बारहमासा गीतों में प्राकृतिक और सामाजिक परिवेश का सुंदर चित्रण होता है। एक लोकप्रिय बारहमासा पंक्ति है :

फागण मास सुहावो लागे, पिया न आयो घर
मनवा मोरा रोवे, जैसे चातक निर्झर...

यह शैली आज भी लोकनाट्य, हरियाणवी फिल्मों और तीज-त्योहारों में जीवंत रूप में गाई जाती है।

आल्हा गीत : हरियाणा की धरती केवल भावनाओं की नहीं, वीरता की भी परिचायक है। यहां के लोकगीतों में तलवारें गूंजती हैं और ढालें टकराती हैं। आल्हा गायन उसी वीर परंपरा का हिस्सा है। आल्हा गीत मूलतः बुंदेलखंड की वीरगाथा परंपरा से उत्पन्न हुए। लेकिन समय के साथ ये गीत हरियाणा, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक फैल गए। हरियाणा में गांव के मेलों, अखाड़ों और युद्ध-कला प्रदर्शनों में ये गीत खूब गाए जाते हैं।

वीरता, बलिदान और साहस की कहानियां, विशेष रूप से आल्हा और ऊदल की, आल्हा गायन में सम्मिलित होती हैं। इसकी प्रस्तुति तेज लय और ऊर्जावान होती है। सामूहिक गायन में ढोलक, नगाड़ा और अन्य वाद्ययंत्रों के साथ यह प्रस्तुत किया जाता है। यह युवाओं में साहस और देशभक्ति का संचार करता है। कई आल्हा गायकों ने इसे आधुनिक मंचों तक पहुंचाया, लेकिन यह अब भी ग्रामीण हरियाणा की मूल पहचान बना हुआ है।

रागनी : हरियाणा की गायन परंपरा में अगर किसी शैली को सबसे अधिक जनप्रियता मिली है, तो वह है रागनी। यह केवल गीत नहीं, एक लोकनाट्य शैली है जिसमें प्रश्नोत्तर, तर्क, हास्य, और व्यंग्य शामिल होते हैं। रागनी में संवादात्मक शैली होती है, गायक दो भागों में बंटते हैं। एक सवाल पूछता है, दूसरा जवाब देता है। इसके विषय होते हैं सामाजिक विडंबनाएं, धर्म, नैतिकता, राजनीति, नारी सम्मान, शिक्षा आदि। इसकी प्रस्तुति मेलों, मंचों और प्रतियोगिताओं में होती है। रागनी में ढोलक, सारंगी, बैंजो आदि वाद्ययंत्रों का प्रयोग होता है। कुछ लोकप्रिय रागनियां हैं :

'धरती कहे पुकार के, बेटा मुझे बचा ले' और 'गांव की छोरी दिल्ली चली, शहर की चाल में फंस गई भली'। रागनी प्रतियोगिताएं हरियाणा में आज भी हज़ारों की भीड़ खींचती हैं। यह परंपरा समाज को आईना दिखाने का भी काम करती हैं। इन चारों गायन विधाओं को केवल मनोरंजन समझना भूल होगी। यह हरियाणा की सामूहिक चेतना, मूल्य-व्यवस्था और सामाजिक संवाद का सशक्त रूप हैं। जब एक किसान फसल की बुवाई करते हुए डेरु गाता है, जब एक युवती बारहमासा में पिया को याद करती है, जब अखाड़े में वीर आल्हा गूंजता है, या जब रागनी में व्यवस्था पर व्यंग्य किया जाता है, तब हरियाणा की आत्मा बोलती है। आज जब सोशल मीडिया और फिल्मों के शोर में लोक संस्कृति का स्वर दब रहा है, तब यह ज़रूरी है कि हम इन गायन शैलियों को बचाएं और बढ़ाएं। सरकार और सांस्कृतिक संस्थाओं को चाहिए कि वे ग्राम स्तर पर लोकगायन कार्यशालाएं शुरू करें, रागनी और डेरु प्रतियोगिताओं को राज्यस्तरीय पहचान दें, बारहमासा और आल्हा गायकों को मंच और सम्मान दें, और लोक कलाकारों को आर्थिक सहयोग प्रदान करें।

हरियाणा की गायन परंपराएं केवल बीते समय की गाथाएं नहीं हैं, वे आज भी जीवित हैं, खेतों में, चौपालों में, और हरियाणवी दिलों में। डेरु, बारहमासा, आल्हा और रागनी, ये चार स्तंभ हमारी लोक संस्कृति के प्रहरी हैं। इन्हें संजोकर रखना केवल कलाकारों की नहीं, हर हरियाणवी की जिम्मेदारी है।

कविता | **राजपाल सिंह गुलिया**

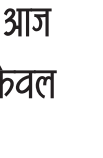

मोल माणसाँ का गिर ग्या

कील्याँ का के रेट बढ़या योह, मोल माणसाँ का गिर ग्या।
समझणियाँ माणस तै भाई , इब चोगरदे तैं घिर ग्या ॥

भाण बोल्यी भाई तैं याह , आग्गे पार पड़ै कोन्या।
अपणे हिस्से नै बता कौण सी, लेती भाण कड़ै कोन्या।
मनै लागै सै म्हारी खातिर, दो रोटी ईब हड़ै कोन्या।
मैं तै नकटी हो आग्यी, दूजी हो त बड़ै कोन्या।
तनै त्योहार पै आणा छोड़या, तूँ कती निस्तरग्या।

सारे भाई कट्ठे होकै, खेवट नै पड़वावैं सै।
काणी कूट बता कै देखो, फ्रंट रोड का चाहैं सैं।
रोज दूसरे लोग आण के, इननै न्यूँ बहकावैं सैं।
एक करोड़ म्हँ दे तै बता, गाहक- भतेरे आवैं सैं।
घासी का बाबू खेताँ का, कती पाटड़ा फेर कर ग्या।

पढ़े -लिखे सैं ये छोरे पर, माणस कि पिछाण नहीं सै।
बापू इसा बावला बण ज्या, जणू कती जाण नहीं सै।
छोटे बड्डे कट्ठे पीवैं, किसै की किसै क काण नहीं सै।
मंगलवार की टाल करैं बस, बाकी इनके आण नहीं सै।
दारू प्या कै लहरी नै , चतरू कती धार पै धर ग्या।

देख ल्यो थम खेताँ के ये , नित नए इब भा होग्ये।
सभ अपणै- अपणै राजी सैं , न्यारे सबके राह होग्ये।
खूड बेच कै आज देख ल्यो, घर गैल्याँ ये शाह होग्ये।
राजपाल गुलिया कह बेचण, के न्यूँ सोच क चा होग्ये।
कितै डूम नाहीं गाँवेंगे, अक कमा-कमा कै धर ग्या ॥

कविता | **रणबीर सिंह दहिया**

मानस का धर्म

धर्म के सै माणस का मनै कोए बतादयो नै॥
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै॥

माणस तैं मत प्यार करो कौणसा धर्म सिखावै
सरे आम बलात्कार करो कौणसा धर्म सिखावै
रोजाना नर संहार करो कौणसा धर्म सिखावै
तम दारू का व्यापार करो कौणसा धर्म सिखावै
धर्म क्यों खून के प्यासे मनै कोए समझादयो नै॥
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै॥

ईसा राम और अलाह जिब एक बताये सारे रै
इनके चाह्वण आले बन्दे क्यूँ खार कसूती खारे रै
क्यों एक दूजे नै मारण नै एकेजी हाथां ठारे रै
अमीर देश हथियार बेच कै खूबै मौज उड़ारे रै
बैर करो मारो काटो लिखै वो ग्रन्थ भुलादयो नै॥
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै॥

मानवता का तत कहैं सब धर्मां की जड़ में सै
कुदरत का प्रेम सारा सब धर्मां की लड़ मैं सै
कदे कदीमी प्रेम का रिश्ता माणस की धड़ मैं सै
कट्टरवाद नै घेर लिए यो हर धरम जकड़ मैं सै
लोगां तैं अरदास मेरी क्युकरै इनै छटवादयो नै॥
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै ॥

यो जहर तत्ववाद का सब धर्मों मैं फैला दिया
कट्टरवाद घोल प्याली मैं सब ताहिं पिला दिया
स्कीम बणा दंगे करे इंसान मासूम जला दिया
बड़ मानवता का आज सब धर्मों नै हिला दिया
रणबीर सिंह रोवै खड़्या इनै चुप करवादयो नै ॥
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए समझादयो नै ॥

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

तंत्र-मंत्र | **अब अनपढ़ या कम पढ़े-लिखे लोग ही तांत्रिकों के चंगुल में फंसते हैं, वैज्ञानिक शिक्षा का अधिक प्रचार-प्रसार जरूरी**

बदल रहा लोगों का दृष्टिकोण, अपना रहे वैज्ञानिक नजरिया

अंधविश्वास | **राज कुमार नरवाल**

जैसे-जैसे प्रदेश में शिक्षा का प्रचार-प्रसार बढ़ा है और लोग शिक्षित हुए हैं, तब से हरियाणा के लोगों का दृष्टिकोण बदला है। वे वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने लगे हैं। बहुत से अंधविश्वास, जादू-टोने और तंत्र-मंत्र से वे बाहर निकल आए हैं। गांव-देहात में लोगों को तंत्र मंत्र, जादू टोने और अन्य कई तरह के अंधविश्वास का डर दिखाकर ठगा जाता था।

पढ़े-लिखे लोग अब जादू टोना और तंत्र मंत्र में विश्वास नहीं करते। लोग तार्किक हो गए हैं और चीजों का विश्लेषण करने लगे हैं। वे जल्द बहकावे में नहीं आते। एक जमाना ऐसा था जब लोगों को भूत-प्रेत का भय दिखाया जाता था। रात के समय श्मशान घाट के पास से गुजरते समय लोग डरते थे। हवेलियों और खंडहर मकानों में भूत प्रेत का वास होने की कहानियां सुनने को मिलती थी। यदि किसी व्यक्ति को मानसिक रोग हो जाता था तो उसको कहा जाता था कि इसमें भूत प्रवेश कर गया है। महिलाओं में भूत-प्रेत का साया होने के ज्यादा मामले सुनने को मिलते थे। किसी के घर में और किसी के खेत में भूत-प्रेत होने का डर दिखाकर तांत्रिकों द्वारा लोगों को लूटा जाता था। विभिन्न प्रकार के रोगों का इलाज दवाइयों की बजाए गंडा, ताबीज और भभूत (राख) से किया जाता था। अंधविश्वास के चलते लोगों का समय पर इलाज न होने की वजह से वे दम तोड़ देते थे। लोग अपनी बहू-बेटियों को लेकर कई कई दिन तक झाड़ फूंक के पास बैठे रहते थे। भूत प्रेत निकालने के लिए झाड़-फूंक, झाड़ा लगाने का काम करते थे। बुखार व दूसरी बीमारियां ठीक करवाने के लिए लोग झाड़ा लगवाते थे और मानते थे कि झाड़ा लगाने से रोक ठीक हो जाते थे।

डायन, डाकन, भूत, भूतनी, जिंद, जिंदणी, धौलकपड़िया, शाभा और न जाने कितने नामों का प्रयोग कर लोगों को डराया जाता था। कहीं पर पत्थर बरसाकर लोगों को डराया जाता था और कहा जाता था कि यह प्रेत आत्मा ऐसा कर रही है। किसी के घर में अचानक से आग लग जाती थी और उसके पीछे भी तंत्र मंत्र वाले लोग ही काम करते थे। लेकिन अब पहले जैसा हरियाणा नहीं रहा। लोगों की सोच अब बदल गई है। अब यह डरने डराने का दौर खत्म हो गया है। अब यहां के लोग पिछले कुछ दशकों में इन चीजों से बाहर निकले हैं। हालांकि इक्का-दुक्का जगहों से आज भी ऐसे मामले सामने आ जाते हैं। लेकिन जादू टोना और तंत्र-मंत्र से लोगों का विश्वास उठ गया है। अब अनपढ़ या कम पढ़े-लिखे लोग ही तांत्रिकों के चंगुल में फंसते हैं।

पूरी तरह से वैज्ञानिक नहीं हुए प्रदेश के लोग बाबाओं के चक्र में फंसे हैं : डॉ. सुशीला धनखड़

डॉ.सुशीला धनखड़, पूर्व प्रोफेसर, समाज शास्त्र

अब भी हरियाणा के लोग पूरी तरह से वैज्ञानिक नहीं हुए हैं। यह बात सच है कि वे जादू टोना और तंत्र मंत्र से बाहर निकल आए हैं। लेकिन वे एक अंधविश्वास से निकलकर दूसरे अंधविश्वास में जाकर फंस गए हैं। मंदिरों में और बाबाओं के सत्संगों में पहले से ज्यादा भीड़ जुटने लगी है। शिक्षा के प्रचार प्रसार के बाद भी पूजा पाठ में कमी नहीं आई है, पूजा पाठ ज्यादा बढ़ा है। अब पहले से ज्यादा सत्संग होने लगे हैं। प्रवचन देने वाले बाबाओं की संख्या में इजाफा हुआ है। लोग अंधभक्त होकर सत्संग में जा रहे हैं। बाबाओं को भगवान मान रहे हैं। पढ़े लिखे लोग सत्संगी बाबाओं के पैर पूज रहे हैं। आज सभी गांवों में रोजाना जगह-जगह सत्संग हो रहे हैं। पहले गांवों में इतने सत्संग नहीं होते थे। यदि कोई बाबा जेल से पेशी पर आता है तो वहां पर अंधभक्तों का तांता लग जाता है। सत्संग में बाबा लोगों को मोह माया से दूर रहने का संदेश देते हैं और खुद लाखों रुपये लेकर सत्संग करने आते हैं। लोगों में वैज्ञानिक चेतना तो आई है, लेकिन लोग सत्संग से जुड़ रहे हैं, तो इसका मतलब हम पूरी तरह से अंधविश्वास से नहीं निकले हैं। धर्म का प्रचार प्रसार हो रहा है। पूजा पाठ बढ़ रहा है। मंदिरों में भीड़ बढ़ रही है। लेकिन सोचने वाली बात यह है कि इतने धार्मिक होने के बाद भी हमारे अंदर नैतिक मूल्य कम क्यों हो रहे हैं। वैल्यू घटना चिंता का विषय है। फिर धार्मिक होने का क्या फायदा हुआ। समाज में आपसी सहयोग की भावना कम हो रही है और भाईचारे की भावना में कमी आई है। समाज में गुटबाजी बढ़ रही है। लोग कन्यफ्यूज हो गए हैं। अब न तो वे पूरी तरह शहरी बन पा रहे हैं और न ही पूरी तरह ग्रामीण। असल में लोग अवसरवादी हो गए हैं। जिसका जिस तरह काम निकलता है, उसी तरह अपना काम निकाल लेते हैं।

अंधविश्वास के पीछे निजी स्वार्थ छिपा : वेद प्रिय

वेद प्रिय, उपप्रधान हरियाणा ज्ञान विज्ञान मंच

भिवानी के शिक्षाविद् वेद प्रिय ने बताया कि लोगों को अंधविश्वास से बाहर निकालने के लिए प्रदेश में कई संस्थाएं काम कर रही हैं। वे खुद हरियाणा विज्ञान मंच के उपप्रधान हैं और हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति के कार्यकारी सदस्य हैं। इसी तरह देश में तर्कशील आंदोलन चल रहा है। प्रतिशील संस्थाएं भी काम कर रही हैं। अंधविश्वास की घटना के बाद ये संगठन तुरंत संज्ञान लेते हैं। मौके पर जाकर अंधविश्वास की घटना की सच्चाई लोगों के सामने लाते हैं। वेद प्रिय का मानना है कि अंधविश्वास को पूरी तरह से खत्म नहीं किया जा सकता। क्योंकि कुछ लोगों के दिमाग की सोचने की प्रक्रिया धीमी होती है। उनका दिमाग पूरी तरह से चीजों का उस तरह से विश्लेषण नहीं कर पाता, जितना दूसरे लोगों का करता है। वह व्यक्ति ढंग से सोच नहीं पाता। हालांकि प्रदेश में अंधविश्वास के मामलों में कमी आई है। धीरे-धीरे लोग अंधविश्वास से बाहर निकल रहे हैं। प्रदेश सरकार और प्रशासनिक ढांचे ने अंधविश्वास फैलाने वालों पर शिकंजा कसा है। अब अंधविश्वास फैलाने से लोग डरते हैं, कहीं कानूनी कार्रवाई न हो जाए। यही वजह है कि अब उतनी घटनाएं नहीं होती, जितनी पहले होती थी। अंधविश्वास के पीछे व्यापार अथवा निजी स्वार्थ छिपा होता है। ऐसे लोग अनपढ़ अथवा कम पढ़े लिखे लोगों को अपना निशाना बनाते हैं। यदि अंधविश्वास से नई पीढ़ी को बचाना है तो उनको अच्छी शिक्षा देनी होगी। सही मायने में उनको वैज्ञानिक पढ़ाई-लिखाई सिखाने की जरूरत है।

विश्व पटल पर भारतीय रंगमंच को स्थापित कर गये रतन

श्रद्धांजलि | **ओंकारेश्वर पांडेय**

रतन थियम चले गए। दादा 23 जुलाई, 2025 को गए। मणिपुर रो रहा है। शांति की बात उन्होंने की। उनका रंगमंच चमका। वे कहते थे - "रंगमंच हमारी आत्मा है।" रचनात्मकता के हथियारों से युद्ध के खिलाफ युद्ध लड़ने वाला योद्धा नहीं रहा। अशांत मणिपुर को शांति का संदेश देते देते खामोश हो गये रतन थियम। वे भारतीय रंगमंच के एक विशाल पर्वत थे। उन्होंने मणिपुरी परंपराओं को विश्व के साथ जोड़ा। उनकी रचनाएं—महाभारत त्रयी (उरुभंगम, चक्रव्यूह, कर्णभरम) और लैरेंबीगी ईशेई—युद्ध, पहचान और शांति पर गहरी सोच रखती थीं। मणिपुर के मैतेई-कुकी झगड़े से वे दुखी थे और शांति की आवाज़ बने। रतन एक रंगकर्मी या निर्देशक भर नहीं, वह रंग वैज्ञानिक थे, जिसने मणिपुर की आत्मा को वैश्विक कैनवास पर उकेरा। उनकी कला आज भी एकता की मिसाल है। उनका जाना भारत और दुनिया को झकझोर रहा है। रतन थियाम, वह दूरदर्शी नाटककार, निर्देशक और सांस्कृतिक दीपक, जिन्होंने 77 वर्ष की आयु में इम्फाल के रिम्स अस्पताल में अंतिम प्रणाम लिया। उनका निधन केवल भारतीय रंगमंच के लिए ही नहीं, अपितु वैश्विक मंच के लिए भी एक युग का अंत है, जहां उनके कार्य ने सीमाओं, भाषाओं और संस्कृतियों को लाँघकर मानव आत्मा की सार्वभौमिक पुकार को स्वर दिया। उन्हें

केवल रंग कलाकार या निर्देशक कहना उनके अपार प्रतिभा को कमतर आंकना होगा; मैं कहूंगा कि वे एक रंग वैज्ञानिक थे, एक ऐसे महान रसायनज्ञ, जिन्होंने प्राचीन और समकालीन, स्थानीय और सार्वभौमिक, आध्यात्मिक और राजनैतिक तत्वों को सानंदित कर रंगमंच को एक अनुपम प्रयोगशाला बनाया। उनका मंच वह पवित्र स्थल था, जहाँ मणिपुर की परंपराएं, वैश्विक सौंदर्यबोध और मानवीय अनुभवों का कच्चा स्पंदन एक अनुपम सत्य और सौंदर्य के रूप में सानंदित हुआ।

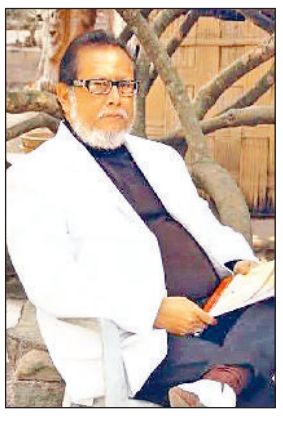

20 जनवरी, 1948 को मणिपुर के इम्फाल में जन्मे रतन थियाम एक बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे, जिनकी रचनात्मक यात्रा चित्रकला और लेखन से प्रारंभ होकर रंगमंच में अपनी पराकाष्ठा तक पहुंची। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) से 1974 में स्नातक होने के पश्चात, उन्होंने 1976 में इम्फाल के निकट कोरस रिपर्टरी थिएटर की स्थापना की, जो मणिपुर की संनादित संस्कृति और विश्व के साथ संवाद का एक पवित्र मंदिर बन गया। उनकी रंगमंचीय प्रस्तुतियां केवल नाटक नहीं थीं, अपितु युद्ध, पहचान और मानवता की अनंत खोज पर गहन चिंतन थीं।

उनके पुरस्कार संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (1987), पद्म श्री (1989), कालिदास सम्मान (1997), संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप (2012), और मणिपुर का लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड (2025), उनकी उस विरासत के केवल मामूली पुष्टिकरण थे, जिसे मापना असंभव है।

रंगमंच वैज्ञानिक की विरासत का संरक्षण

रतन थियम का निधन एक शून्य छोड़ गया है, किंतु उनकी विरासत को मलिन नहीं होने देना चाहिए। इम्फाल में उनका कोरस रिपर्टरी थिएटर, एक सांस्कृतिक दीपस्तंभ, को उनके कार्य का जीवंत संग्रहालय बनाकर समर्थन देना चाहिए, जो भविष्य के कलाकारों को उनके अंतर्विषयी दृष्टिकोण में प्रशिक्षित करे। जैसा कि थियम ने जनवरी 2025 में निंगथम खुमहेई शुमंग लीला उत्सव में वकालत की थी, मणिपुर में एक विश्वस्तरीय सांस्कृतिक परिसर की स्थापना राज्य की कलात्मक विरासत को पोषित करने के लिए आवश्यक है। उनके स्क्रिप्ट्स, रिकॉर्डिंग्स और प्रस्तुति नोट्स को डिजिटाइज कर विश्व भर के विद्वानों और अभ्यासियों के लिए सुलभ करना चाहिए, ताकि चक्रव्यूह और उत्तर प्रियदर्शी जैसे कार्य प्रेरणा देते रहें। शैक्षिक संस्थानों, विशेष रूप से एनएसडी, जहाँ थियम ने निदेशक (1987–88) और अध्यक्ष (2013–17) के रूप में सेवा दी, को उनकी पद्धतियों को पाठ्यक्रम में समाहित करना चाहिए, जो पारंपरिक और समकालीन रूपों के संनादन पर बल देता हो। भारत रंग महोत्सव जैसे उत्सवों, जहाँ थियम के नाटकों को सराहा गया, को उनके कार्यों के लिए रेट्रोस्पेक्टिव समर्पित करने चाहिए, जो स्थानीय और वैश्विक दर्शकों से संवाद करने की उनकी क्षमता को प्रदर्शित करें। इसके अतिरिक्त, उनकी एकता की पुकार "विविध सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों में एकता का सार ही एकता ला सकता है" को मणिपुर के जातीय विभाजनों को कला के माध्यम से जोड़ने के प्रयासों का मार्गदर्शन करना चाहिए।

थियम की स्थानीय और सार्वभौमिक को मिश्रित करने की क्षमता जापान के तदाशी सुजुकी के कार्य के समान थी, जिनके सुजुकी मेथड ने शारीरिकता और सांस्कृतिक स्मृति पर जोर दिया, ठीक वैसे ही जैसे थियाम ने थांग-टा और मैतेई रीति-रिवाजों का उपयोग किया।

खबर संक्षेप

ट्रेन से कटकर महिला की मौत

रेवाड़ी। दिल्ली रेल मार्ग पर रविवार सुबह ट्रेन से कटकर एक महिला की मौत हो गई। जीआरपी के अनुसार सुबह के समय करीब 30 साल की एक महिला नया गांव मंदिर के पास झज्जर रेल लाइन फाटक के करीब ट्रेन की चपेट में आ गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जीआरपी ने आसपास के गांवों में सूचना भेजकर मृतका की पहचान कराने का प्रयास किया, परंतु सफलता नहीं मिली।

हादसों का सबब बन रहा गड्ढा

रेवाड़ी। महेंद्रगढ़ रोड पर बाइपास फ्लाईओवर के नीचे बरसात के बाद सड़क पर गहरा गड्ढा बन गया है, जिससे हादसों की आशंका बनी रहती है। दीपक, परीक्षित, अनमोल व तुषार आदि ने बताया कि बाइपास के सर्विस रोड पर शुरू में ही बरसात के कारण गहरा गड्ढा बन गया है। इसमें बरसात का पानी भरा रहता है, जिससे वाहन चालकों को गड्ढा दिखाई नहीं देता। इससे हादसों की आशंका बनी रहती है। लोगों ने एचएसआरडीसी से सर्विस रोड की मरम्मत कराने की मांग की है।

पूर्व राष्ट्रपति का भावपूर्ण स्मरण

रेवाड़ी। सामाजिक संस्था अभिनव भारत ने रविवार को पूर्व राष्टपति एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर संस्था के संयोजक राकेश कुमार ने कहा कि कलाम ने आर्थिक रूप से कमजोर परिवार में जन्म लेने के बावजूद अपनी मेहनत के बल पर शिक्षा ग्रहण करते हुए विज्ञान के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की। उन्हें मिसाइल मैन के रूप में जाना जाने लगा। राष्टपति के पद पर रहते हुए उन्होंने देशहित में समर्पित भाव से कार्य किया।

कार की टक्कर से बाइक चालक घायल

बावल। टांकड़ी मोड़ के पास कार की चपेट में आने से एक बाइक चालक घायल हो गया। पुलिस बयान में बरसोआ निवासी दीपक ने बताया कि वह बाइक लेकर किसी काम से रेवाड़ी जा रहा था। टांकड़ी मोड़ के पास एक कार चालक ने सड़क किनारे चल रहे युवक को टक्कर मारने के बाद उसकी बाइक को साइड मार दी। इससे वह बाइक से गिरकर घायल हो गया।

चेयरमैन ने खंड सिहमा के कर्मचारियों की सीएम से की शिकायत

लापरवाही और ऑफिस में न रहने का लगाया आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

मंडी अटेली। मुख्यमंत्री को कर्मचारियों की शिकायत देती चेयरमैन अंजू यादव।

खंड सिहमा की पंचायत समिति चेयरमैन अंजू यादव ने तीज महोत्सव पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से चंडीगढ़ स्थित आवास संत कबीर कुटीर पर मिलकर एक मांगपत्र दिया है। इसके अलावा खंड सिहमा के कर्मचारियों के अधिकांश कर्मचारियों की ड्यूटी करते समय लापरवाही एवं ऑफिस में न रहने की शिकायत भी दी। मुख्यमंत्री को दी शिकायत में बताया की खंड सिहमा के कर्मचारी अक्सर अनुपस्थित रहते हैं। इससे न केवल कामकाज में देरी होती है, बल्कि लोगों को सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ उठाने में भी कठिनाई होती है। चेयरमैन ने बताया कि न्याय की लड़ाई में ईमानदारी, संघर्ष और सच्चाई की हमेशा जीत होती है। देश व प्रदेश में तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है। प्रदेश का मुख्यमंत्री अपने कर्तव्य एवं अधिकारों का जनहित में उपयोग करके देश की भलाई के लिए कार्य कर रहे हैं, जिससे आमजन प्रभावित है।

इस प्रकार के कर्मचारी संगठन एवं सरकार को बदनाम करने का कार्य करते हैं। सिहमा खंड के एक गांव में पांच से सात स्वागत गेट लगवा दिए, जिनकी कीमत 18 से 20 लाख रुपये है, जिसका जनहित में कोई सरोकार नहीं, सिर्फ कमीशन खोरी है। इन्हीं पैसों से टंकी एवं चौपाल का निर्माण भी किया जा सकता था। पंचायत समिति से रोड निर्माण के कार्य टेंडरिंग से करवाए थे, जिनमें इंजीनियरिंग विंग एसडीओ व जेई को अवगत कराने के बावजूद भी उल्टे ठेकेदारों की तरफदारी की गई, जिसका परिणाम यह निकला कि जिन रोडों का निर्माण किया गया था, सारे टूट कर बिखर गए हैं। जो पंचायत की बदनामी के साथ-साथ सरकार और संगठन की फजीहत कर रहे हैं।

विभिन्न कार्यों में ई टेंडरिंग प्रक्रिया में वह विभागीय कार्यों की स्वीकृति को अंतिम रूप देते समय अध्यक्ष पंचायत समिति को सम्मिलित नहीं किया गया, बल्कि राजपत्र अधिसूचना द्वारा हरियाणा पंचायती राज बजट लेखा परीक्षा प्रावधान संशोधन अधिनियम में संक्षिप्त में अधिसूची संख्या छह के अनुसार निविदा स्वीकार करने का अधिकार अनुसूची भी के क्रम संख्या एक से तीन तक ग्राम पंचायत निधि के कार्य में ग्राम सरपंच व पंचायत समिति के कार्यों में अध्यक्ष पंचायती समिति और जिला परिषद में जिला प्रमुख से निविदा का अंतिम रूप देते समय सहमति लेना आवश्यक होता है, जो अधिकारी ने उचित नहीं समझा।

कर्मचारी रहते है ऑफिस से गायब

इस अवसर पर चेयरमैन ने मुख्यमंत्री से कहा कि अक्सर खंड ऑफिस से कर्मचारी गायब रहते हैं। इसके बाद वह अपने निजी स्थानों पर ही मिलते हैं। ऐसा करके वे सरकार की छवि खराब कर रहे हैं। इसलिए ऐसे अधिकारियों एवं कर्मचारियों को वहां से हटाकर दूर भेजा जाए।

भारत विकास परिषद ने मनाया हरियाली तीज उत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। हरियाली तीज उत्सव में भाग लेती महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

भारत विकास परिषद शाखा की ओर से सरस्वती स्कूल में तीज उत्सव पारंपरिक उल्लास व उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। जिसमें प्राचार्य क्षमा पांडे व रजिता शर्मा मुख्य अतिथि थी। कार्यक्रम में महिलाओं ने मेंहदी रचाई, रंग बिरंगे परिधानों में पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किए और मनोरंजक ग्रुप गेम्स में भाग लेकर वातावरण को जीवंत कर दिया। मंच संचालन लक्ष्मी सचदेवा, सुचेता गोगिया, रविना सोनी व सोनू भारद्वाज ने किया।

लक्ष्मी सचदेवा ने सभी अतिथियों, सदस्यों और सहभागी परिवारों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगीत व समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया। अंत में महिला व पुरुष सदस्यों ने सपरिवार सहभोज का आनंद लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य नारी सशक्तिकरण, सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण व सामाजिक समरसता को प्रोत्साहित करना रहा।

इस मौके पर अनु अग्रवाल, रविना सोनी, सुधा जांगिड़, संतोष, आशा, नेहा बंसल, सरोज शर्मा, शालू चुघ, मुस्कान, इन्दु, दीपिका, सरोज कश्यप, सोनू भारद्वाज, सुचेता गोगिया, मंजू शर्मा, शिवानी वर्मा, पूजा गर्ग, नीना, प्रीति शर्मा, प्रतिमा भारद्वाज, मिथलेश गुप्ता, वन्दना सिंघल, किरण अरोड़ा, नीलम शर्मा, इन्दु गुप्ता, मुकेश यादव, बबीता गुप्ता, ईशा गर्ग, उषा यादव, यशोदा यादव, नीरज गर्ग, पूजा सैनी, मीतू जैन, सरिता वशिष्ठ, फागुनी, मनमीत आदि मौजूद थी।

भव्या गुणवाल ने बायलोजी ओलंपियाड में जीता रजत

मंडी अटेली। अटेली कस्बे की एक निजी अस्पताल के चिकित्सक दंपति डॉ. अनिल यादव व डॉ. सुमन यादव की बेटी भव्या गुणवाल ने 56वें इंटरनेशनल बायलोजी ओलंपियाड में देश के लिए रजत पदक जीता है। यह स्पर्धा फिलीपींस के क्विजीन सिटी में 20 से 26 जुलाई को आयोजित हुई। इसमें 77 देशों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इससे पहले भव्या रोमानिया में आयोजित 21वें इंटरनेशनल जूनियर साइंस ओलंपियाड (आईजेएसओ) में स्वर्ण भी जीत चुकी है। अटेली की छात्रा द्वारा ऐतिहासिक उपलब्धि पर शहर के अलावा उनके पैतृक गांव मंढौला में खुशी का माहौल है। वह 29 जुलाई को स्वदेश में मुंबई शहर तथा अटेली 30 जुलाई को पहुंचेगी। छात्रा की विशेष उपलब्धि पर लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला, राष्ट्रीय महिला आयोग की चेयरमैन विजय राहतकर सेंट्रल हॉल दिल्ली में सम्मानित कर है। भव्या के पिता डॉ. अनिल यादव व माता डा. सुमन यादव ने बताया कि बेटी ने भारत वर्ष के साथ युवाओं के लिए एक नजीर पेश की है।

हरियाली तीज पर शहर में निकाली प्रभातफेरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। शहर में प्रभात फेरी निकालते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

श्रावन मास की हरियाली तीज के पावन अवसर पर संस्था प्रभात फेरी संगठन की ओर से 149वीं प्रभात फेरी का आयोजन श्री राधा कृष्णा मंदिर नई सराय से किया गया। सर्वप्रथम पंडित मनमोहन शर्मा ने प्रभात फेरी के मुख्य यजमान प्रेम देवी से परिवार सहित ठाकुर जी व निशान का पूजन करवाकर गीता पाठ कर प्रभात फेरी का शुभारंभ किया।

प्रभातफेरी में भक्तजन राधा नाम संकीर्तन करते हुए मुख्य यजमान के निवास स्थान राधा कृष्ण मंदिर से नई सराय, सैन चौक आदि विभिन्न मार्गों से होते हुए शुभारंभ स्थल पर पहुंचे।

संगठन के संचालक घनश्याम गर्ग व वरिष्ठ सदस्य मनिंद्र सैनी ने बताया कि प्रभात फेरी संगठन शहर की एक मात्र संस्था है, जिसमे आने वाले दान को गोमाता की सेवा व मानव सेवा में इस्तेमाल किया जाता है।

मिति के सदस्य मनीष अग्रवाल व महेंद्र सैनी ने बताया कि प्रभात फेरी संगठन ने राधा नाम की अलख शहर की हर गली मोहल्ले में लोगों के मन में जगा दी है। प्रभात फेरी में लोगों ने ठाकुर जी का भव्य स्वागत किया व प्रसाद बांटकर तथा पुष्प वर्षा करके ठाकुर जी की आरती उतार ठाकुर जी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

नशे के विरुद्ध हरियाणा पुलिस की अद्भुत प्रस्तुति गुरुकुल गमन का हुआ मंचन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। मंचन करने वाली टीम को सम्मानित करते मुख्यमंत्री के सलाहकार जेएस नैन। फोटो : हरिभूमि

राष्ट्र स्तर पर नशे के विरुद्ध अपनी पहचान बना चुकी हरियाणा पुलिस की प्रस्तुति लाइट एंड साउंड शो राम गुरुकुल गमन का मंचन कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के गीता सदन आडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम के समापन पर मुख्यमंत्री नायब सैनी एवं खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम विशेष रूप से उपस्थित रहे। हरियाणा पुलिस के डीजीपी नारकोटिक ओपी सिंह की परिकल्पना व याहा हरियाणा के निदेशक अनिल कौशिक द्वारा निर्देशित अद्भुत प्रस्तुति के समाप्त होते ही हजारों की उपस्थिति ने खड़े होकर प्रस्तुति का अभिवादन किया।

युवा विकास एवं उद्यमिता द्वारा 23 से 27 जुलाई तक कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में अंतरराज्यीय युवा आदान प्रदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में देश के 24 राज्यों के लगभग एक हजार युवा उपस्थित रहे। डीजीपी ओपी सिंह व निदेशक अनिल कौशिक ने बताया कि भारत की प्राचीन संस्कृति से श्री राम द्वारा ऋषि मुनियों के तप को सुरक्षित करने एवं आधुनिक भारत में युवाओं को भगवान राम के चरित्र से प्रेरित होकर नशे के विरुद्ध लड़ने का संदेश दिया गया। लाइट एंड साउंड शो राम गुरुकुल गमन के मंचन में रमेश सपरा, गिरीश कानोड़िया, प्रमोद तिवाड़ी, अशोक जांगड़ा, विकास तिवाड़ी, सोहन टेनी का विशेष सहयोग रहा। नशे के विरुद्ध लाइट एंड साउंड शो का मंचन करने वाली टीम को मुख्यमंत्री के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल जेएस नैन तथा आईएएस अधिकारी निर्देशक कैप्टन मनोज कुमार ने सम्मानित किया। राम गुरुकुल गमन में कलाकार प्रमोद तिवाड़ी, संगीता, चंद्रमोहन, अतुल लामडीवाल, पुनीत भारद्वाज, लक्की यादव, जितेंद्र प्रजापत, बिट्टू सैनी, सुनील भोपा, रोहित, सागर सैनी, भवनेश, योगेश, नैतिक तनेजा, पूर्वी, अंजलि, निर्मला, हिमानी खेर, नीरू व सुष्मिता उपस्थित रही।

जनसेवा मंडल ने रामानंद शर्मा को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। रामनंद शर्मा को सम्मानित करते पवन बाछौदिया। फोटो : हरिभूमि

जनसेवा मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन बाछौदिया ने श्रीगौड़ ब्राह्मण सभा के त्रिवार्षिक चुनाव में उपप्रधान पद पर रामानंद शर्मा रामपुरा वाले को सर्वसम्मति से चुने जाने पर मंडल की तरफ से बधाई दी। बाछौदिया ने रामानंद शर्मा को भगवान परशुराम जी का पटका पहनाकर सम्मानित किया। बाछौदिया ने रामानंद शर्मा के उप प्रधान बनने पर कहा कि रामानंद शर्मा ब्राह्मण समाजहित के लिए बहुत बढ़ चढ़कर काम करेंगे। इस अवसर पर श्रीगौड़ ब्राह्मण सभा अटेली मंडी के प्रधान धर्मेंद्र वशिष्ठ ने बताया कि यह श्रीगौड़ ब्राह्मण सभा अटेली मंडी के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। पहले कॉलेजियम चुनाव में अटेली क्षेत्र के सभी 10 वार्डों में कॉलेजियम सदस्य सर्वसम्मति के चुनकर आए और अब रामानंद शर्मा का सर्वसम्मति से उप प्रधान चुना जाना अटेली क्षेत्र में ब्राह्मण एकता व भाईचारे का बहुत बड़ा उदाहरण है। रामानंद शर्मा नारनौल गौड़ सभा से लगातार तीसरी बार कॉलेजियम सदस्य बनकर आए हैं। इस मौके पर मनोज

सीबीएसई कैलस्टर-15 के खो-खो खेल का आयोजन

नारनौल। सीबीएसई कैलस्टर-15 के खो-खो खेल का आयोजन राव नेतराम पब्लिक स्कूल सलीमपुर में किया गया। जिसका शुभारम्भ एईओ रमेश कुमार ने किया। उन्होंने बताया कि अन्डर-19 में प्रथम मुकाबला देवयानी स्कूल बेवल व आईडी स्कूल झज्जर तें हुआ। जिसमें देवयानी स्कूल की टीम विजय रही। द्वितीय मुकाबला यूनिक स्कूल सोनीपत व आईडी छुछकवास के बीच हुआ। जिसमें आईडी विजय रही। तृतीय मुकाबला मेजर बिहारीलाल स्कूल गुरुग्राम व जीबीएस स्कूल फरीदाबाद के बीच हुआ। जिसमें जीबीएल विजय रही। वहीं अन्डर-17 में आनन्द स्कूल भिवानी व नालन्दा स्कूल सापला में हुआ। जिसमें आनन्द स्कूल विजय रहा। दूसार मुकाबलला एचआर ग्रीन स्कूल झज्जर व रायल स्कूल गुरुग्राम के बीच हुआ। जिसमें एचआर ग्रीन विजय रहा। वहीं देवयानी स्कूल बेवल व आरईडी स्कूल छुछकवास में देवयानी स्कूल विजय रहा। नवज्ञान स्कूल व आरबीएसएम मोड़सी में आरबीएसएम विजय रहा। कृष्णा स्कूल कोसली व जीबीएल स्कूल फरीदाबाद में जीबीएल विजय, ज्ञानदेवी गुरुग्राम व वाईएसएल स्कूल महेन्द्रगढ़ में वाईएसएल विजय रहा।

नारनौल। गोवंश के लिए सवामणी लगाने आए शाखा सदस्य। फोटो : हरिभूमि

गोवंश के लिए लगाई सवामणी

नारनौल। भारत विकास परिषद के तत्वावधान में रविवार को श्री गोपाल गोशाला में गोमाता के लिए हरे चारे की 16वीं सवामणी श्रद्धा, सेवा और समर्पण भाव से आयोजित की गई। इस पुण्य कार्य का आयोजन परिषद के सक्रिय सदस्य सुनील मित्तल की ओर से किया गया। इस अवसर पर सुनील मित्तल ने कहा कि गोमाता भारतीय संस्कृति, कृषि और जीवनशैली की आत्मा हैं। वे केवल एक पशु नहीं, बल्कि हमारी परंपरा, श्रद्धा और प्रकृति के संतुलन की प्रतीक हैं। जहां गायें सुखी होती हैं, वहां समाज समृद्ध और संस्कारित होता है। उन्होंने कहा कि आज के समय में जब आधुनिकता के चलते लोग प्रकृति और परंपरा से दूर होते जा रहे हैं, ऐसे में गोसेवा जैसे कार्य हमें हमारी जड़ों से जोड़ते हैं। यह सवामणी केवल हरे चारे का आयोजन नहीं, बल्कि एक भावनात्मक जुड़ाव है। उन्होंने सभी सहयोगियों, परिषद के सदस्यों व उपस्थितजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आने वाले समय में परिषद की ओर से इस प्रकार के सेवा कार्यक्रमों को और व्यापक स्तर पर किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरूआत परिषद परिवार के सदस्य पवन अरोड़ा ने गायत्री मंत्र के तीन बार उच्चारण के साथ की। इस मौके पर राजकुमार यादव एडवोकेट, देवीप्रकाश, कमलेश गोयल, मुकेश जैन, पवन अरोड़ा, नवीन गुप्ता, पवन यादव, नरोत्तम सोनी, दिनेश बंसल, मुन्ना, सुभाष कश्यप, सरोज कश्यप, धीरज भयाना, धैर्य मित्तल आदि मौजूद थे।

सांसद पर लगाया भेदभाव का आरोप

10 सालों में महेंद्रगढ़ रेलवे रूट पर कोई नई ट्रेन नहीं चलवाई

महेंद्रगढ़। दैनिक रेलयात्री महासंघ ने रेलमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर नई ट्रेनों का संचालन, विस्तार व ठहराव करने की मांग की। उन्होंने सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह पर भेदभाव का आरोप लगाते हुए कि सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह से महेंद्रगढ़ के मुद्दों को तवज्जो नहीं मिल रही है। सांसद ने 10 सालों में महेंद्रगढ़ रेलवे रूट पर न कोई नई ट्रेन चलवाई, न किसी ट्रेन का विस्तार करवाया, न किसी ट्रेन के फेरे बढ़वाए, न ही ट्रेन के समय में कोई बदलाव तथा ठहराव करवा पाए हैं। सांसद महेंद्रगढ़ क्षेत्र की अब तक कोई भी रेल संबंधी मांग रेल मंत्री के समक्ष पुरजोर ढंग से रखकर पूरा नहीं करवा पाए हैं। महेंद्रगढ़ से तीर्थ स्थान के लिए प्रतिदिन कोई ट्रेन सुविधा नहीं है, न ही लंबी दूरी की कोई ट्रेन सुविधा यहां के लोगों को मिल पाई है, जबकि तीसरी पारी में महेंद्रगढ़ क्षेत्र ने पूरा सांसद को जनादेश देकर संसद में भेजा है। महेंद्रगढ़ से अधिक लंबी दूरी की गाड़ियां सांसद ने भिवानी जंक्शन से चलवाई है जैसे भिवानी-मुंबई तक। अहीरवाल पूरा समर्थन बीजेपी को दिया है। राव इंद्रजीत सिंह ने भी कहा था कि चौधरी धर्मवीर सिंह को तीसरी बार जिताओ, रेलवे के सारे काम वह स्वयं सांसद के माध्यम से करवाएंगे और महेंद्रगढ़ क्षेत्र को रेल सुविधा में आगे बढ़ाएंगे, लेकिन अब तक न तो क्षेत्र के लोगों की मांगों को सांसद सुन पा रहे हैं और न ही राव इंद्रजीत सिंह। इस क्षेत्र के लोगों की समस्याओं को प्रति गंभीर नजर आ रहे हैं। अब लोग अपनी फरियाद लेकर किसके पास जाएं। सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह ने इसी 23 जुलाई को संसद में 377 के तहत 11 मांगे रखी हैं, उनमें से एक मांग ही महेंद्रगढ़ जिले के लिए रखी गई है, उसमें भी हिसार-भिवानी को डाला हुआ है। उन्होंने बताया कि जितनी भी मांगे की गई है भिवानी जंक्शन के लिए ही नजर आ रही है। सांसद ने एक मांग तो भिवानी जंक्शन के लिए ऐसी रखी है, जो ट्रेन इस रूट से होकर ही नहीं चलती। गाड़ी संख्या 16311-12 श्रीगंगानगर से तिरुवंतपुरम साप्ताहिक सुपरफास्ट है, जिसका रूट भिवानी है ही नहीं। सांसद के इस कदम से महेंद्रगढ़ जिले के लोगों में काफी रोष है। उन्होंने कहा कि सांसद द्वारा इस बार महेंद्रगढ़ क्षेत्र की मांग उठाने वाला कोई डीआरयूसीसी मेंबर भी नहीं बनाया गया है जो कि हमारी मांगे आगे तक पहुंचा सके।

- **दैनिक रेलयात्री महासंघ का आरोप, महेंद्रगढ़ से अधिक लंबी दूरी की गाड़ियां सांसद ने भिवानी जंक्शन से चलवाई**

मंडी अटेली। गनियार में की बात एपिसोड का लाइव कार्यक्रम सुनते हुए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम गनियार में सुना

मंडी अटेली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात का एपिसोड का 124वां एपिसोड का लाइव कार्यक्रम अटेली के भाजपा के मंडल अध्यक्ष मुकेश कुमार गनियार ने बूथ नम्बर 171 पर लोगों के साथ ध्यानपूर्वक सुना। मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन जल्द ही अपने 11 साल पूरे करने जा रहा है, लेकिन इसकी ताकत और जरूरत आज भी उतनी ही बनी हुई है। कभी-कभी कुछ लोगों को कोई काम असंभव सा लगता है। वह सोचते हैं क्या यह संभव भी होगा, लेकिन जब पूरा देश एक सोच पर एकजुट हो जाता है तो असंभव भी संभव हो जाता है। स्वच्छ भारत मिशन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। इन 11 सालों में यह मिशन एक जन आंदोलन बना है। लोग इसे अपना कर्तव्य मानते हैं और यही असली जनभागीदारी है। सावन की फुहारों के बीच देश एकबार फिर त्योहारों की रौनक में सजने के लिए तैयार है। हरियाली तीज, नाग पंचमी और रक्षाबंधन फिर जन्माष्टमी सभी पर्व हमारी भावनाओं से जुड़े हैं। ये हमें प्रकृति से जुड़ाव और संतुलन का भी संदेश देते हैं। पिछले कुछ समय में पूरा देश, खेल, विज्ञान और संस्कृति को लेकर बहुत कुछ ऐसा हुआ है, जिस पर हर भारतीय को गर्व है। अभी हाल ही में शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष से वापसी की बहुत चर्चा हुई। जैसे ही शुभांशु धरती पर उतरे तो पूरा देश खुशी और गर्व से भर गया।

मन की बात में पीएम ने कई ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पर्यावरण के मुद्दों को किया साझा: भारती सैनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। मन की बात कार्यक्रम देखती महिलाएं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 124वें संस्करण में देशवासियों को रविवार संबोधित किया। जिसमें पीएम मोदी ने कई ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पर्यावरण के मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। मन की बात कार्यक्रम को भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष भारती सैनी ने शहर के बूथ नंबर 82 पर कार्यकर्ताओं संग सुना। इस अवसर पर भारती सैनी ने बताया कि मन की बात में पीएम मोदी ने शुभांशु शुक्ला के अंतरिक्ष मिशन पर भी बात की और कहा कि इससे देश में विज्ञान को लेकर युवा पीढ़ी में उत्सुकता जगी है।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि मन की बात में एक बार फिर बात होगी देश की सफलताओं की, देशवासियों की उपलब्धि की। पिछले कुछ समय में पूरा देश, खेल, विज्ञान और संस्कृति को लेकर बहुत कुछ ऐसा हुआ है, जिस पर हर भारतीय को गर्व है। अभी हाल ही में शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष से वापसी की बहुत चर्चा हुई। पीएम मोदी ने कई ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पर्यावरण के मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। पीएम मोदी ने शुभांशु शुक्ला के अंतरिक्ष मिशन पर भी बात की और कहा कि इससे देश में विज्ञान को लेकर युवा पीढ़ी में उत्सुकता जगी है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा मुझे याद है कि जब चंद्रयान तीन की सफल लैंडिंग हुई, तो देश में विज्ञान को लेकर अलग माहौल बना। अब छोटे छोटे बच्चे अंतरिक्ष विज्ञान में रूचि ले रहे हैं। आपने इंस्पायर मानक अभियान का नाम सुना होगा। यह बच्चों में इनोवेशन को बढ़ावा देने का अभियान है। इस अभियान में हर स्कूल से पांच बच्चे चुने जाते हैं। हर बच्चा एक नया आईडिया लेकर आता है। इससे अब तक लाखों बच्चे जुड़ चुके हैं और चंद्रयान तीन मिशन के बाद इनकी संख्या दोगुनी हो गई है।

प्रधानमंत्री मोदी बोले देश में स्पेस स्टार्ट अप तेजी से बढ़ रहे हैं। पांच साल पहले देश में 50 से भी कम स्टार्टअप थे। आज सिर्फ स्पेस सेक्टर में ही ये 200 से ज्यादा हो गए हैं। अगले महीने 23 अगस्त को नेशनल स्पेस डे है। आप इसे कैसे मनाएंगे, कोई नया विचार है तो मुझे नमो एप पर जरूर भेजिए। आखिर में पीएम मोदी ने कहा कि सावन की फुहारों के बीच देश एक बार फिर त्योहारों की रौनक में सजने के लिए तैयार है। हरियाली तीज, नाग पंचमी व रक्षाबंधन फिर जन्माष्टमी सभी पर्व हमारी भावनाओं से जुड़े हैं।

अनुदान, आवेदन व प्रमाण पत्रों के लिए लोगों को फाइल तैयार करने की जरूरत नहीं: सरपंच

सीपीएलओ सेंटर स्थापित कर विभागीय योजनाएं ग्रामीणों तक पहुंचाएगी बूढ़वाल पंचायत, भ्रष्टाचार पर लगेगा अंकुश

- सेंटर पर युवाओं को दाखिले व अन्य प्रतियोगिक परीक्षाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन करने का मिलेगा प्लेटफार्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। बूढ़वाल गांव में सीपीएलओ सेंटर पर ऑनलाइन आवेदन करते युवा। फोटो : हरिभूमि

बूढ़वाल पंचायत ने क्रिड पंचायत लोकल ऑपरेटर (सीपीएलओ) सेंटर स्थापित किया है। जहां नियुक्त ऑपरेटर को सरकार की ओर से क्रियाविंत विभिन्न स्कीमों को ग्रामीणों तक पहुंचाने की हिदायत है, साथ ही पूरे गांव का डेटा एकत्र करके जरूरतमंद ग्रामीणों को पंजीकृत करना होगा। जिन्हें सरकार की ओर से निर्धारित सुविधाएं मिल सकेंगी। सेंटर पर युवाओं को दाखिले व अन्य प्रतियोगिक परीक्षाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन करने का प्लेटफार्म मिलेगा। सरपंच धर्मबीर सिंह ने बताया कि सरकार ने लगभग सभी विभागों की योजनाओं को ऑनलाइन कर दिया। अनुदान, आवेदन व प्रमाण पत्रों के लिए लोगों को फाइल तैयार करने की जरूरत नहीं। परिवार पहचान पत्र में दर्ज डाटा के अनुसार प्रमाण पत्र पोर्टल से जनरेट होने लगा है, लेकिन अधिकांश गांवों में पर्याप्त मात्रा में संचार संसाधन उपलब्ध नहीं। अनुदान से जुड़ी कई योजनाओं की सूचना ग्रामीणों तक नहीं पहुंच पाती, जिस कारण गांवों का संपूर्ण रूप से विकास नहीं हो पाया है। ग्रामीणों की सुविधा के लिए सरकार ने पंचायत स्तर पर क्रिड पंचायत लोकल ऑपरेटर (सीपीएलओ) सेंटर स्वीकृत किए हैं। इस सेंटर पर इंटरनेट की उपलब्धता के साथ कंप्यूटराइज सिस्टमों का प्रबंध किया गया है। विभिन्न विभागों की साइटों से क्रियाविंत योजनाओं की जानकारी एकत्र करने के अलावा लिंक भी जनरेट किया जाएगा। जिससे ग्रामीणों को पूरी जानकारी तथा जरूरत के साथ ऑनलाइन आवेदन करने में मदद मिलेगी।

त्रुटियों को दुरुस्त करने के लिए दिया जाएगा

सीपीएलओ सेंटरों को पीपीपी की विभिन्न त्रुटियों को दुरुस्त करने के लिए साइट का पासवर्ड दिया जाएगा। इसके अलावा पंचायत संबंधी योजनाएं, निर्धारित बजट और खर्च की गई राशि का रिकार्ड उपलब्ध रहेगा। उन्होंने बताया कि सीपीएलओ सेंटर पर नवीन जाखड़ की नियुक्ति की गई है। जिसे निर्धारित समय पर ग्रामीणों को ऑनलाइन सुविधाएं और विभागीय जानकारी मुहैया करानी होंगी।

सरकार व ग्रामीणों के बीच सेतू का काम करेगा सीपीएलओ

पंचायत सचिव ऋषिपाल रावत ने बताया कि सीपीएलओ सेंटर सरकार व ग्रामीणों के बीच सेतू का काम करेगा। यहां परिवार पहचान पत्र, दस्तावेजों का सत्यापन व संकलन, विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों की सूची तैयार करना, पंचायती रिकार्ड मेंटेन करना व तकनीकी रूप से निष्पादन करने की जिम्मेवारी सौंपी गई है।

ढोसी पहाड़ी पर किया प्रसाद वितिरत

नारनौल। युवा सेवक संघ की ओर से सावन के तीसरे रविवार को ढोसी के पावन तीर्थ पर प्रसाद वितरण का कार्य किया गया। इस अवसर पर संघ के सचिव दीपक शांडिल्य ने कहा कि प्रसाद आयोजन का मुख्य उद्देश्य आमजन को तीर्थ की ओर आकर्षित करना है, ताकि ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोग ढोसी धाम पर आए और भगवान के दर्शन करें। आज प्रसाद के रूप में युवा सेवक संघ की तरफ से कढी कचोरी, जलेबी व चाय की व्यवस्था की गई। इस मौके पर डॉ. मामचंद शर्मा, ओमप्रकाश वर्मा, गोपाल शांडिल्य, मनोज शर्मा, सुभाष यादव, नरेंद्र वर्मा, परताराम, नरेश कुमार, पवन कुमार, मांगतेश शर्मा, सतनाम, राकेश शर्मा, राकेश शांडिल्य, जयप्रकाश, धीरज सोनी, पुरुषोत्तम सोनी, मोनू सोनी, राहुल सैनी, भूपसिंह आदि मौजूद थे।

खबर संक्षेप

बैठक में जन्माष्टमी उत्सव की तैयारियों पर हुई चर्चा

महेंद्रगढ़। गांव सिसोठ स्थित माता भूरा भवानी मंदिर परिसर में आगामी जन्माष्टमी महोत्सव को लेकर मंदिर कमेटी की एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता मंदिर कमेटी के प्रधान संदीप यादव ने की। जबकि संचालन सचिव मास्टर अनिल कुमार ने किया। सचिव मुकेश चौहान ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य 16 अगस्त को मनाए जाने वाले श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व को भव्य ओर सांस्कृतिक रूप से सफल बनाने की तैयारियों की रूपरेखा तय करना था।

लाइसेंस नवीनीकरण की मांग, विधायक को सौंपा ज्ञापन

नारनौल। दी खाद्यान्न व्यापार एसोसिएशन नई मंडी के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रधान रामजीलाल मित्तल के नेतृत्व में विधायक ओमप्रकाश यादव को को एक ज्ञापन दिया। जिसमें कहा कि अनाज मंडी नजदीक राजीव चौक के एक्सटेंशन के ऑर्डर लेट आने की वजह से कुछ व्यापारियों के मार्केट कमेटी के लाइसेंस नवीनीकरण नहीं हो पाए थे।

हरित वसुंधरा आधार समिति ने किया पौधरोपण

नारनौल। हरित वसुंधरा आधार समिति ने श्रीकृष्णा पशु पक्षी कल्याण समिति के साथ मिलकर स्वर्ग आश्रम नजदीक नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में विभिन्न प्रजाति के 51 पौधे रोपित किए। इस अवसर पर डॉ. रामअवतार यादव ने पहला पौधा लगाकर अभियान की शुरूआत की। पर्यावरण प्रेमी बजरंग लाल बंसल व कृष्ण कुमार बंसल ने त्रिवेणी लगाकर अभियान को आगे बढ़ाया।

उपभोक्ताओं के लिए विशेष बिजली अदालत कल

नारनौल। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित समाधान हेतु 29 जुलाई को विशेष बिजली अदालत व बिजली बिल समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का आयोजन बिजली बोर्ड के सर्कल कार्यालय सिंघाना रोड में प्रातः 11 बजे से दोपहर एक बजे तक किया जाएगा। अधीक्षक अभियंता जोगेंद्र हुड्डा ने बताया कि उपभोक्ता इस अवसर पर अपनी बिजली कनेक्शन से जुड़ी शिकायतें व बिल संबंधी समस्याएं सीधे अधिकारियों के समक्ष रख सकेंगे, मौके पर ही समाधान होगा।

मेघोतहाला के रिटायर्ड शिक्षक ने युवाओं को शारीरिक अभ्यास कराने का बनाया शेड्यूल, 200 से अधिक छायादार पौधे लगाए

शिक्षा वहीं जिसमें विनम्रता, संस्कार और सामाजिक दायित्वों का समावेश हो तथा दूसरों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिले

उत्कृष्ट सेवाएं देने पर उन्हें 1984 में सैन्य मेडल से सम्मानित भी किया गया था।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। खेल मैदान में वॉलीबॉल खेलते युवा। फोटो : हरिभूमि

शिक्षा वहीं होती है, जिसमें विन्रमता, संस्कार और सामाजिक दायित्वों का समावेश हो तथा दूसरों को आगे बढ़ने व परोपकार की प्रेरणा मिले। यह मेघोत हाला के महाराम यादव ने साबित करके दिखाया है। जिन्होंने 17 साल तक भारतीय सेना व 20 साल बतौर शिक्षक सेवाएं देकर अब पर्यावरण संरक्षण तथा युवाओं के करियर निर्माण में योगदान देने का बीड़ा उठाया है। रिटायर्ड शिक्षक ने सात साल की अवधि में 200 से अधिक पौधे लगाकर मंदिर के प्रांगण का हराभरा बनाने का काम किया है।

आपको बता दें की महाराम यादव शिक्षा व स्वास्थ्य को लेकर शुरू से ही अलर्ट रहे हैं। दसवीं कक्षा उत्तीर्ण करते ही शारीरिक अभ्यास में जुट गए तथा पहलवानी करने लगे थे। उन्होंने आसपास के दंगलों में 250 से अधिक कुश्तियां जीतकर 1978 में उन्होंने भारतीय सेना ज्वाइन कर ली थी। उत्कृष्ट सेवाएं देने पर उन्हें 1984 में सैन्य मेडल से सम्मानित भी किया गया था। जम्मू कश्मीर समेत नौ सेंटरों पर सेवाएं देने के बाद 1995 में सैनिक की नौकरी से रिटायर हो गए, लेकिन गांव में पहुंचते ही उन्होंने शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की योजना बना ली और पढ़ाई में जुट गए। अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता पूरी करने के बाद उन्होंने 1999 में शिक्षा विभाग में बतौर शिक्षक ज्वाइन किया था। विभाग ने पहली पोस्टिंग यमुनानगर जिले में दी गई थी, लेकिन उन्हें होम जिले की शिक्षण व्यवस्था की चिंता थी। इसलिए स्पेशल रिक्वेस्ट करके उन्होंने 2006 में नांगल चौधरी ब्लॉक की स्कूल ढाणी जिंदड़ में तबादला कराया। यहां ग्रामीण विद्यार्थियों को मूलभूत सुविधाएं अर्जित करना संभव नहीं था। उन्होंने डोर टू डोर संपर्क करके छात्र संख्या बढ़ाने पर फोकस किया। उनके अथक प्रयासों से स्कूल की छात्र संख्या 70 से बढ़कर 130 तक पहुंच पाई थी। उन्होंने स्कूल टाइम के बाद अतिरिक्त कक्षाएं लगाकर बच्चों को कोचिंग देने का निर्णय लिया। इसके बाद विभाग ने 2013 में शिक्षक महाराम यादव का तबादला सैदअलीपुर स्कूल में कर दिया, ढाणी जिंदड़ में सर्विस के दौरान 54 बच्चों ने नवोदय व सैनिक स्कूल की परीक्षाएं उत्तीर्ण करके गांव का नाम रोशन किया है। सैदअलीपुर स्कूल से जून 2017 में रिटायर हुए हैं। यहां चार साल के सेवाकाल में उन्होंने स्कूल में खेल ग्राउंड समेत मूलभूत सुविधाओं के प्रबंध में विशेष योगदान दिया है। जहां शारीरिक अभ्यास की सुविधा मिलने से बच्चों को खेल प्रतिभा निखारने में मदद मिल रही है। इस दौरान ब्लॉक के विभिन्न गांवों में अवैध खनन होने से हरे पेड़ों की कटाई जोरों पर थी। कृष्णावती नदी समेत कई पहाड़ों की हरियाली खत्म होने पर उन्होंने जून 2018 में पर्यावरण संरक्षण मिशन शुरू किया।

2 एकड़ में लगाए 200 पौधे अब बन गए पेड़

मेघात हाला के संध्यानाथ आश्रम से धौलेड़ा, लूजोता, सैदअलीपुर समेत 10 से 12 गांवों की आस्था जुड़ी हुई है। रोजाना हजारों श्रद्धालु मंदिर में पूजा अर्चना करने आते हैं। प्रांगण में छांया का प्रबंध नहीं होने के कारण श्रद्धालुओं को परेशानी रहती थी। रिटायर्ड शिक्षक महाराम यादव ने आश्रम के दो एकड़ रकबे पर 200 से अधिक पौधे लगाए हैं। करीब सात साल तक नियमित रूप से सिंचाई तथा देखरेख करने से सभी पौधे अब छांयादार पेड़ों में तबदील हो गए। हरियाली बढ़ने से जहां मंदिर की शोभा मनमोहक बनी हुई है।

शारीरिक अभ्यास की सुविधा मिलने पर आर्मी

मंदिर के प्रांगण में पौधारोपण होने से वातावरण में शुद्धता बढ़ गई। सुबह विभिन्न गांवों के सैकड़ों युवा शारीरिक अभ्यास करने आश्रम के प्रांगण में आते हैं। यहां लंबी रेस, ऊंची कूद, जंप कर सेना के फिजिकल की तैयारी करते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि शारीरिक अभ्यास की सुविधा मिलने से पुलिस व सेना में करीब 50 युवा भर्ती हो चुके हैं।

पौधे होते हैं सच्चे मित्र, संतान की तरह देखभाल जरूरी

रिटायर्ड शिक्षक महाराम यादव ने बताया कि बचपन से ही पहलवानी का शौक होने के कारण शारीरिक अभ्यास का जुनून रहा है, लेकिन पौधों की अधिकता नहीं होने के कारण परेशानी रही है। इसलिए रिटायर होने के कारण पौधारोपण तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया, क्योंकि पौधे ही सर्वश्रेष्ठ मित्र होते हैं। जिनसे जीवन रक्षक ऑक्सीजन, दवाइयां तथा आहार उपलब्ध होता है। उन्होंने बताया कि परिवार के प्रत्येक सदस्य के जन्मदिन पर एक पौधा लगाने की मुहिम शुरू की है।

पौधे लगाना व देखभाल बड़ी उपलब्धि

फोरेस्ट विभाग के रेंज अधिकारी रजनीश यादव ने बताया कि मेघोत हाला निवासी रिटायर्ड शिक्षक महाराम यादव द्वारा 200 से अधिक पौधे लगाना तथा नियमित रूप से देखभाल करना बड़ी उपलब्धि है। विभाग की ओर से पर्यावरण प्रेमियों को सम्मानित किया जाता है, सूची मांगने पर महाराम को सम्मानित करने की सिफारिश करेंगे। महाराम यादव से संपर्क करके उन्हें पौधारोपण अभियान में सहयोग मुहैया कराया जाएगा।

7.75 ग्राम प्रतिबंधित नशीले पदार्थ सहित तस्कर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा को नशा मुक्त बनाने के राज्य सरकार के अभियान को बल देते हुए हरियाणा नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की रेवाड़ी यूनिट ने एक नशा तस्कर को 7.75 ग्राम अवैध स्मैक के साथ भाकली वाला की ढाणी भोजावास महेंद्रगढ़ से गिरफ्तार किया। ब्यूरो प्रमुख महानिदेशक ओपी सिंह के दिशानिर्देशों के तहत प्रदेशभर में चल रही नशा विरोधी मुहिम के तहत यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक पंखुरी कुमार के नेतृत्व व उपपुलिस अधीक्षक गजेंद्र शर्मा के निर्देशन में की गई। एनसीबी रेवाड़ी यूनिट के प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार ने जानकारी दी कि सहायक उप निरीक्षक अनील कुमार के नेतृत्व में रेवाड़ी यूनिट की टीम को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि एक संदिग्ध व्यक्ति प्रतिबंधित नशीला पदार्थ स्मैक (हैरोईन) बोहका से भोजावास वाले कच्चे रास्ते पर नजदीक भाकली वालो की ढाणी के पास तस्करी करने की फिराक में है। सूचना के आधार पर तत्परता से कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने आरोपित जयप्रकाश ऊर्फ जेपी पुत्र लक्ष्मी नारायण निवासी बोहका जिला रेवाड़ी को मौके से काबू किया। राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में तलाशी लेने पर आरोपित के पास से 7.75 ग्राम अवैध नशीला पदार्थ स्मैक (हैरोईन) बरामद हुआ। आरोपित के खिलाफ थाना सदर कनीना में एनडीपीएस अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत माध्यमिक मात्रा का मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

अवांछित जगहों पर उगे पीपल, बरगद एवं नीम के पौधों को दिया जा रहा नया जीवनदान

- नहर विभाग के एसडीओ राजेश वर्मा पिछले तीन सालों से चला रहे अंवाछित पौधों को नई जगह उगाने की चला रहे मुहिम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। पौधारोपण करते एसडीओ राजेश वर्मा एवं उनकी टीम।

विभिन्न सामाजिक संस्थाओं एवं साथियों के सहयोग से नारनौल व नांगल चौधरी तहसील के विभिन्न सरकारी कार्यालयों एवं संस्थाओं की छतों, फर्श के कोने में अपने आप उगे बरगद, पीपल व नीम आदि के अवांछित पौधों को अपने मातहत कर्मचारी एवं साथियों के सहयोग से गांव में जोहड़, तालाब, कृष्णावती व दोहान नदी के क्षेत्र में उन्हें पुनः पौधारोपण करके उन्हें नया जीवन देने का कार्य किया जा रहा है, जिससे उन सरकारी भवनो एवं इमारत का भी संरक्षण किया जा सके। इस कार्य में सबसे बड़ी भूमिका सिंचाई विभाग के उपमंडल अधिकारी राजेश वर्मा निभा रहे हैं, जोकि पिछले तीन वर्षों से इस मुहिम को आगे बढ़ा रहे हैं। इसी कड़ी में उन्होंने इस वर्ष भी सिंचाई भवन के परिसर से लगभग 87 अवांछित पौधे गांव दताल खंड नांगल चौधरी में नवनिर्मित नहरी पानी भंडारण टैंक के आसपास सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता इंजीनियर संदीप नसीहर एवं मातहत कर्मचारियों के साथ इन अवांछित पौधों को नया जीवन देने का अभियान चलाया। एसडीओ राजेश वर्मा ने बताया कि उनके द्वारा एक सरकारी पत्र जिला महेंद्रगढ़ के उपायुक्त डॉ. विवेक भारती को लिखा गया था। वहीं उपायुक्त के मार्गदर्शन एवं आवाहन पर जल शक्ति अभियान के तहत भी सिंचाई विभाग को दिए गए लक्ष्य के तहत पौधारोपण करने का कार्य कार्यकारी अभियंता एवं फील्ड कर्मचारियों के सहयोग से नारनौल व नांगल चौधरी में निरंतर जारी है। इस कड़ी में गांव बामनवास खेता व गांव तिगरा के जोहड़ पर लगभग 2500 पौधों के करीब छायादार पौधारोपण किया जा चुका है। पौधारोपण के सहयोगी सिंचाई विभाग के प्रवेश ठेकेदार, खुशीराम ठेकेदार इस्लामपुरा, मुकेश ठेकेदार गौरीर , सुरेंद्र ठेकेदार गौरीर नरेंद्र सिंह ठेकेदार भिवानी द्वारा पौधारोपण के लिए खड्डे खोदने की व्यवस्था की गई।

निजामपुर। रोपड़ सराय में ग्रामीणों को पार्टी की सदस्यता प्रमाण पत्र सौंपते पदाधिकारी।

जेजेपी ने रोपड़ सराय में चलाया सदस्यता अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| निजामपुर

जजपा के हलका प्रभारी विनोद भील व प्रधान एडवोकेट प्रमोद ताखर की अगुवाई में रोपड़ सराय में सदस्यता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में पूर्व हलका प्रधान हजारीलाल लंबोरा व जिलेसिंह गुर्जर मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने ग्रामीणों को जजपा की नीतियों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि जजपा सुप्रीमो डॉ. अजय चौटाला का नांगल चौधरी हलके से विशेष लगाव रहा है। उन्होंने राजनीतिक करियर की शुरूआत इसी हलके से की थी और हलके के विकास पर उन्होंने हमेंशा फोकस रखा है। बतौर डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने नांगल चौधरी को उपमंडल बनाने की फाइल को स्वीकृत किया था। उन्होंने चार साल के कार्यकाल में बुजुर्गों की पेंशन में एक हजार रुपये की बढ़ोतरी कराई थी। अब भाजपा को तीसरी बार सत्ता संभाले हुए करीब एक साल बीत गया है, लेकिन अभी तक एक रुपये भी नहीं बढ़ाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और भाजपा अंदर खाते एक हैं तथा जहां भाजपा को जरूरत होती है, वहां कांग्रेसी नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा मदद करते हैं।

हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा 30 व 31 को

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

- धारा 163 के तहत परीक्षा के दौरान कोचिंग सेंटरों व 500 मीटर की परिधि के भीतर किसी भी प्रकार का हथियार ले जाने पर प्रतिबंध

जिलाधीश डॉ. विवेक भारती ने 30 व 31 जुलाई को होने वाली हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा के शांतिपूर्ण संचालन के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत परीक्षा के दौरान कोचिंग सेंटरों के संचालन व परीक्षा केंद्रों की 500 मीटर की परिधि के भीतर किसी भी प्रकार का हथियार ले जाने पर प्रतिबंध लगाया है। जिलाधीश ने आदेशों में स्पष्ट किया है कि लेवल तीन की परीक्षा 30 जुलाई को अपराह्न तीन बजे से सायं साढ़े पांच बजे तक और लेवल दो की परीक्षा 31 जुलाई को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक और लेवल एक की परीक्षा 31 जुलाई को अपराह्न तीन बजे से सायं साढ़े पांच बजे तक विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। जिले के सभी परीक्षा केंद्रों की 500 मीटर की परिधि के भीतर किसी भी प्रकार का हथियार ले जाने पर प्रतिबंध रहेगा। महेंद्रगढ़ जिले के परीक्षा केंद्रों में किसी भी अनधिकृत व्यक्ति का प्रवेश और सक्षम प्राधिकारी द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित पहचान पत्र के बिना प्रवेश वर्जित है। जिले के सभी परीक्षा केंद्रों की 500 मीटर की परिधि में सभी फोटोकॉपी मशीन की दुकानों के संचालन व सभी कोचिंग सेंटरों के संचालन पर पाबंदी रहेगी। यह आदेश ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों और अन्य लोक सेवकों पर लागू नहीं होगा। उल्लंघन करने का दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत मुकदमा चलाया जाएगा।

कमला धर्मशाला में हरियाणा व्यापार मंडल के तत्वावधान में नागरिक अभिनंदन समारोह

महेंद्रगढ़ के व्यापारी क्षेत्र की अर्थव्यवस्था की रीढ़: विधायक

- महेंद्रगढ़ की ऊर्जा व व्यापारी एकजुटता पूरे प्रदेश के लिए एक मिसाल : जोशी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। बैठक को संबोधित करते विधायक कंवर सिंह यादव।

स्थानीय कमला धर्मशाला में हरियाणा व्यापार मंडल के तत्वावधान में नागरिक अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम व्यापार मंडल के प्रदेशाध्यक्ष विजयलक्ष्मी चंद्र गुप्ता के सम्मान में रखा गया। समारोह में व्यापार जगत से जुड़े लोगों के साथ कई गणमान्य जनप्रतिनिधि, पार्षदगण और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि महेंद्रगढ़ के व्यापारीगण क्षेत्र की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। आपके द्वारा प्रस्तुत मांगपत्र का हर बिंदु मेरे लिए महत्वपूर्ण है और वह स्वयं यह सुनिश्चित करेंगे कि कि हर सुझाव और समस्या को विधानसभा में प्राथमिकता के साथ उठाया जाए।

इस अवसर पर रेडक्रॉस सोसायटी हरियाणा के प्रदेश महासचिव महेश जोशी ने कहा कि संगठित व्यापारी वर्ग ही समाज को सामाजिक उत्तरदायित्व की दिशा में प्रेरित करता है। रेडक्रॉस के माध्यम से व्यापारी समुदाय और समाज के बीच समन्वय बढ़ाने के लिए हम सदैव तैयार हैं। इस दौरान व्यापारियों ने प्रदेशाध्यक्ष को मांगपत्र सौंपकर जीएसटी के अनुपालन में सरलता, व्यापारियों के लिए पेंशन योजना, बाजारों में साफ-सफाई और आधारभूत सुविधाओं का सुधार, लाइसेंस प्रक्रिया में पारदर्शिता, व्यापारी सुरक्षा कानून करने की मांग की। प्रदेशाध्यक्ष विजय लक्ष्मी गुप्ता ने कहा कि हरियाणा व्यापार मंडल का उद्देश्य केवल व्यापारियों के अधिकारों की रक्षा करना नहीं, बल्कि उन्हें सरकारी योजनाओं, कानूनी सुरक्षा और सामाजिक सहयोग से जोड़ना भी है। महेंद्रगढ़ की ऊर्जा और व्यापारी एकजुटता पूरे प्रदेश के लिए एक मिसाल है।

सफल आयोजन पर जताया अभार

व्यापार मंडल के प्रधान सुनील अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि व्यापार मंडल निरंतर प्रयासरत है कि हर व्यापारी की समस्या को नीति-निर्धारकों तक पहुंचाया जाए। आज का यह आयोजन इसी दिशा में एक मजबूत कदम है। इस अवसर पर पार्षद लक्ष्मीकांत, ममता सोनी, सीमा पार्षद, बिजेंद्र यादव, संजय मित्तल, राधाकृष्ण मक्कड़, पार्षद सुनील तायल, नरेंद्र खन्ना, नवीन राव, सुधीर मित्तल, अश्वनी सोनी, राजू सोनी, सुभाष गांधी, गणेश सैनी आदि उपस्थित थे।